कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

वर्ष:63 अंक:9 मुम्बई अगस्त 2019

श्रीनगर में आयोग के अध्यक्ष जम्मू-कश्मीर
के खादी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ।

जम्मू कश्मीर के दूरस्थ क्षेत्रों के कुम्हारों को सशक्त बनाने के लिए
आयोग के अध्यक्ष ने 100 विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किए

आयोग के अध्यक्ष ने जयपुर में खादी ग्रामोद्योग प्रोत्साहन
विकास कार्यशाला की अध्यक्षता की

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 63 अंक-9 मुंबई अगस्त 2019

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवादक
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: editorialkvic@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार ..... 3 से 18

आयोग ने बाड़मेर में खादी केंद्र को पुनर्जीवित कर 150 चरखे एवं 100 विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किये.....

आयोग के अध्यक्ष द्वारा स्फूर्ति के तहत सिकंदरा स्टोन क्लस्टर के सामान्य सुविधा केन्द्र का उद्घाटन.....

आयोग ने आदमपुर में बदहाल पडे तालाब को ग्रामीणों के लिए 'वरदान' में बदला.....

आयोग के अध्यक्ष द्वारा जम्मू में बायो-गैस संयंत्र का उद्घाटन.....

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने केन्द्रीय पूनी संयंत्र का दौरा किया.....

एसपीजी द्वारा द्वारका परिसर में आयोग के बी-बॉक्स स्थापित.....

केंद्रीय कार्यालय में स्वच्छ भारत अभियान.....

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर शीर्ष स्तरीय बैंकों के साथ बैठक.....

रांची में राज्य स्तरीय प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम कार्यशाला....

जम्मू कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र में आयोग द्वारा रोज़गार सृजन हेतु प्रशिक्षण प्रदान कर विद्युत चालित कुम्हारी चाक, मधुमक्खी बॉक्स वितरित.....

मूलाकराईपट्टी में एक पीएमईजीपी जागरूकता शिविर.....

हनी मिशन कार्यक्रम के तहत जागरूकता शिविर.....

सेवापुरी गांधी आश्रम में 100 कुम्हारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम.....

बजट 2019:स्फूर्ति योजना के तहत पारंपरिक उद्योगों का उन्नयन.....

इग्नू के बाद, केवीआईसी को आईआईआईटी से आपूर्ति आर्डर मिला.....

प्रेस कवरेज .....19 से 33

आयोग ने बाड़मेर में खादी केंद्र को पुनर्जीवित कर 150 चरखे एवं 100 विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किये

बाड़मेर (राजस्थान): खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 12 जुलाई, 2019 को बाड़मेर में बहु-उद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया और कारीगरों के बीच 150 नए मॉडल चरखे, 100 विद्युत चालित कुम्हारी चाक, 10 ब्लंगर्स और 10 पग-मिल्स वितरित किए।

आयोग के अध्यक्ष ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि खादी और ग्रामोद्योग कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए, केवीआईसी द्वारा चलाए जा रहे सभी कार्यक्रम कारीगर केंद्रित हैं। “हमने अपने कारीगरों को तकनीकी विशिष्टताओं और उनकी क्षमता के पर्याप्त उपयोग से परिचित कराने के लिए इस बहु-उद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र को पुनर्जीवित किया है, जबकि ये 150 चरखे इस क्षेत्र में 150 बुनकर कारीगरों को प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेंगे। उन्होंने कहा, 100 विद्युत चालित कुम्हारी चाक और अन्य मिट्टी के बर्तनों के उपकरण हमारी कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत इस क्षेत्र में 480 कुम्हारों को प्रत्यक्ष रोजगार सुनिश्चित करेंगे, "इस योजना के तहत, एक कुम्हार बिना कठिन श्रम के चार गुना से अधिक कमा सकता है।"

श्री सक्सेना ने आगे बताया कि केवीआईसी ने इस क्षेत्र में, 100 महिला कारीगरों और 500 कुम्हारों की पहचान की है। उन्होंने कहा, उनका प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, उन्हें करघे, चरखे, विद्युत चालित कुम्हारी चाक और अन्य मिट्टी के बर्तनों के उपकरण भी प्रदान किये जायेंगे। राजस्थान राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष श्री जसवंत सिंह बिश्नोई भी इस समारोह में उपस्थित थे।

आयोग के अध्यक्ष द्वारा स्फूर्ति के तहत सिकंदरा स्टोन क्लस्टर के सामान्य सुविधा केन्द्र का उद्घाटन

सेमाफोर: खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष, श्री विनय कुमार सक्सेना ने सिकंदरा गांव में जन शिक्षण कार्यक्रम के तहत 1.25 करोड़ रुपये की लागत से स्टोन क्लस्टर योजना का उद्घाटन किया। समरैह में, उन्होंने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने स्टोन कारीगरों और शिल्पकारों को रोजगार प्रदान करने के लिए सिकंदरा में राज्य में स्टोन का दूसरा क्लस्टर तैयार किया है।

इस क्लस्टर से 160 कारीगरों को प्रशिक्षण, विपणन और अन्य विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। ये स्टोन क्लस्टर कारीगरों को रोजगार प्रदान करेंगे। उन्होंने आने वाले दिनों में सिकंदरा क्षेत्र में बालू पत्थर के कारोबार को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाओं को लागू करने की बात कही। आयोग के राज्य निदेशक श्री बद्रीलाल मीणा ने कहा कि राजस्थान के गांवों में,जहां बिजली नहीं है, बायोगैस लगाने के लिए 13 हजार की सब्सिडी दी जायेगी।

सात राज्यों में से राजस्थान को योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए उच्चतम लक्ष्य मिला है। श्रमिकों के बीच बढ़ती सिलिकोसिस बीमारी की रोकथाम के लिए श्रमिकों को जल्द ही मास्क प्रदान किया जाएगा। इसके लिए समय-समय पर पत्थर मालिकों और कारीगरों को जागरूक करने के लिए शिविरों का आयोजन भी किया जाएगा। खादी बोर्ड के सचिव श्री हरिमोहन मीणा ने कहा कि सिकंदरा ने न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी पत्थर की कलात्मकता में एक विशेष पहचान बनायी है। यहां के पत्थर की मांग देश के साथ-साथ विदेशों में भी है।

कलाकृति के विकास के लिए सभी संभव प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में खादी समिति सिकंदरा के मंत्री श्री शिवकांत बंसल, समिति के अध्यक्ष श्री गंगाराम कसाना, लेखाकार श्री भगवान सहाय गुप्ता, एसोसिएट मंत्री श्री रामस्वरूप कोली, दौसा खादी समिति के मंत्री श्री अनिल शर्मा, बयाना समिति के मंत्री श्री रामबहाली, मिंटूराम सैनी, विजेंद्र अग्रवाल, रामविलास मारिया, पृथ्वीराज मारी, राजेश जैन सेदुराम कसाना, मुथरेश कसाना उपस्थित थे।

आयोग ने आदमपुर में बदहाल पडे तालाब को ग्रामीणों के लिए 'वरदान' में बदला

आदमपुर ग्राम (वाराणसी): इस वर्ष के मध्य-जून में, सेवापुरी ब्लॉक के अंतर्गत प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामीणों ने कल्पना भी नहीं की होगी कि इस गाँव का सबसे पुराना तालाब - जो अन्यथा मच्छरों और सांपों के लिए एक प्रजनन मैदान और जल-जलकुंभी से भरा रहता था, अब इसे एक खूबसूरत जगह में परिवर्तित किया गया है। जिस क्षण से उनके सांसद ने 'जल शक्ति अभियान' के माध्यम से देश भर में जलस्रोतों को बचाने के लिए एक आह्वान चलाया है, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने इस पुराने तालाब को पुनर्जीवित करने के लिए सभी प्रयास शुरु किए और अब यह ग्रामीणों के लिए एक वरदान के रूप में दिख ग्रामाई दे रहा है।

29 जून, 2019 को खादी औरोद्योग आयोग द्वारा तालाब की सफाई और तालाब का गहरा करने का कार्य शुरू किया गया था, जिसमें आदमपुर गाँव के प्रधान अनिल कुमार पटेल और ग्रामीणों ने भी इस अभियान में बहुत उत्साह से भाग लिया। "खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना द्वारा इस तालाब की सफाई और गहरीकरण कार्य के लिए की गई पहल हेतु धन्यवाद दिया, जो हमारे लिए एक वरदान साबित हो रहा है। पूर्व में हमारे बच्चे और महिलाएं इस तालाब के पास जाने से डरते थे। उन्होंने जीर्ण-शीर्ण घरों के पुनर्निर्माण करने के लिए इस गांव का चयन करने हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष को धन्यवाद दिया, उन्होंने अपने एनजीओ-नेशनल काउंसिल फॉर सिविल लिबर्टीज (एनसीसीएल) से मदद प्रदान की।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष का यह भी बताया कि वर्षा के प्रत्येक बूंद के संरक्षण के लिए प्रधान मंत्री के नवीनतम आह्वान के साथ स्वच्छता अभियान को सम्मलित करते हुए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने आदमपुर में एक स्वच्छता अभियान चलाया। "स्वच्छता

अभियान के एक हिस्से के रूप में, हमने गाँव में स्थित पुराने तालाब का चयन किया, जो कई वर्षों से बेकार पड़ा हुआ था और उचित सफाई और देखभाल के अभाव में यह मच्छरों, सांपों और अन्य जहरीले जीवों का प्रजनन स्थल बन गया था। समय के साथ, यह तालाब कीचड़ और गंदगी से भर गया। हमने पहले इसमें से प्लास्टिक के कचरे, सिल्ट और पानी की जलकुंभी को बाहर निकालकर साफ किया और फिर पर्याप्त बारिश के पानी के संरक्षण के लिए इसे एक मीटर से अधिक गहरा किया।

श्री सक्सेना ने आगे बताया कि स्वच्छता अभियान के तहत आयोग ने बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान के अलावा इस वर्ष सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एक गांव में कम से कम एक तालाब को गहरा और साफ करने का फैसला किया था। "सभी राज्य कार्यालयों को जल्द से जल्द इस कार्य को पूरा करने के लिए निर्देशित किया गया था। आदमपुर के अलावा खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने पहले ही श्रीनगर में डल झील के सभी हिस्सों की सफाई की और इसके अतिरिक्त दिल्ली में स्थित कुतुबगढ़ ग्राम में स्थित तालाब को गहराकर सफाई भी की। ◆◆◆

आयोग के अध्यक्ष द्वारा जम्मू में बायो-गैस संयंत्र का उद्घाटन

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने जम्मू के महापौर की उपस्थिति में जम्मू शहर में पहली बार बायो-गैस प्लांट का उद्घाटन किया, वहां 5 घरों को तुरंत गैस कनेक्शन दिये गये यह प्लांट जैविक खाद का भी उत्पादन करेगा।

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने केन्द्रीय पूनी संयंत्र का दौरा किया

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने आयोग प्रबंधन और कर्मचारियों के साथ, सभी केन्द्रीय पूनी संयंत्रों के नए मशीनरी, भवनों और बुनियादी ढांचे में नवीनीकरण की पहल को शुरु करने के लिए, आयोग के चित्रदुर्ग स्थित केन्द्रीय पूनी संयंत्र का दौरा किया।

एसपीजी द्वारा द्वारका परिसर में आयोग के बी-बॉक्स स्थापित

नई दिल्ली: यह अब आधिकारिक है! प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई दिल्ली के द्वारका में विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) के मुख्यालय में अपनी यात्रा के दौरान दी गई सलाह पर अमल करते हुए - विशेष सुरक्षा बल ने लाइव बी-कॉलोनियों के साथ बी-बॉक्स स्थापित किए, जो खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रदान किए गए। आयोग ने 14 जुलाई को यह मधुमक्खी बॉक्स एसपीजी के मुख्यालय के हरे भरे परिसर में न केवल शहद उत्पादन के लिए, बल्कि परागण के माध्यम से परिसर और उसके आसपास के क्षेत्र में वनस्पतियों और जीवों के विकास के लिए प्रदान किये।

एसपीजी अधिकारियों ने हाल ही में अपने परिसर में एक मधुमक्खीपालन केन्द्र स्थापित करने के लिए मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के लिए आयोग के अधिकारियों से संपर्क किया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने बताया कि जैसे ही खादी और ग्रामोद्योग आयोग को एसपीजी से इसकी जानकारी प्राप्त हुई, विशेषज्ञों की एक टीम को उस क्षेत्र का सर्वेक्षण और मधुमक्खीपालन करने हेतु प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कर्मचारियों की पहचान करने वहां तैनात किया गया। "हमारे एपीकल्चर विशेषज्ञों ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रशिक्षण केंद्र में तीन एसपीजी बागवान मालियों को पहले मधुकोशीय कालोनियों की जांच करने, वानस्पतिक उपकरणों से परिचित होने, मधुमक्खी के हानि पहुंचाने वाले कारकों और मधुमक्खियों को होने वाले बीमारियों की पहचान करने, शहद निष्कर्षण और मोम शोधन के संबंध में के अलावा वसंत ऋतु, ग्रीष्म ऋतु, मानसून और शरद ऋतु में मधुमक्खी कॉलोनियों का प्रबंधन करने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।" इसके पश्चात 7 जुलाई को एसपीजी के अधिकारियों की मौजूदगी में मधुमक्खी बॉक्स स्थापित किए गए।

श्री सक्सेना ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा किये गए 'मधुक्रांति' के आह्वान के पश्चात खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मधुमक्खी पालन के प्रमुख कार्यक्रम को 'हनी मिशन' के नाम से जाना जाता है, उन्होंने आगे कहा कि ऐसे प्रमुख स्थानों पर बी-बॉक्स स्थापित करना मधुमक्खी पालन को एक उचित व्यवसाय के रूप में अनुकूलित करने के लिए सार्वजनिक जागरूकता पैदा करेगा। "अब तक हमने विगत डेढ़ वर्षों में पूरे भारत में 1.10 लाख से अधिक बी-बॉक्स वितरित किए हैं, जिसने न केवल किसानों, बेरोजगार युवाओं और आदिवासियों के लिए 11,000 से अधिक नए रोजगार के अवसरों का सृजन किया है ; बल्कि अब तक 430 मैट्रिक टन शहद केवल इन बी-बॉक्स के माध्यम से उत्पादित किया गया है, जिसका मूल्य 4 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके अलावा, अगर किसानों की मानें तो 'हनी मिशन' के लागू होने के बाद उनकी फसलों की पैदावार 30 प्रतिशत तक बढ़ गई है।" उन्होंने आगे कहा, "हमारे प्रदर्शन से उत्साहित होकर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने हमें इस वित्तीय वर्ष में अन्य 2 लाख मधुमक्खी-बक्से वितरित करने का लक्ष्य दिया है, जो किसानों के लिए एक वरदान साबित होगा।"

* * *

आयोग मुख्यालय में 12 जुलाई, 2019 को हनी मिशन कार्यक्रम के नोडल अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया

केंद्रीय कार्यालय में स्वच्छ भारत अभियान

आयोग के केंद्रीय कार्यालय में 30 जून, 2019 को स्वच्छ भारत अभियान का समापन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आयोग के केंद्रीय कार्यालय, मुंबई और स्थानीय स्तर पर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किये गये। केवीआईसी द्वारा पूरे पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। आयोग के माध्यम से विभिन्न वर्गों के बीच प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई थी ताकि आसपास के क्षेत्र को साफ रखा जा सके और कार्यक्रम में सबसे साफ सुथरे विभाग को पुरस्कार दिया गया।

इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में सेठ चुन्नीलाल दामोदर दास बर्फीवाला स्कूल में ड्राइंग और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में भी स्वच्छता अभियान व्यापक रूप से चलाया गया और अभियान के तहत सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और लेखा विभाग को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर शीर्ष स्तरीय बैंकों के साथ बैठक

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर शीर्ष स्तर के बैंकरों के साथ एक बैठक 16 जुलाई, 2019 को होटल जे.डब्ल्यू मारियट, मुंबई में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने की। बैठक में आयोग के सं. मुख्य कार्यकारी अधिकारी (पीएमईजीपी)श्री वाई.के. बारामतीकर, उप सचिव, एमएसएमई मंत्रालय श्री दीपक नारंग, अवर सचिव, एमएसएमई मंत्रालय श्री अनिल कुमार और एनएसीईआर, निगम बैंक, नोडल बैंकों के नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अपने संबोधन में, सभी हितधारकों को पीएमईजीपी के तहत पिछले तीन वर्षों के लिए अच्छा प्रदर्शन प्राप्त करने के लिए बधाई दी और बैंकों की सक्रिय भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय ने 2019-20 के दौरान 100 दिनों के लिए 1000.00 करोड़ रुपये का मार्जिन मनी लक्ष्य दिया है और बैंकों से लंबित आवेदनों को मंजूरी देने और मार्जिन मनी का दावों का निपटान करने के लिए एक सक्रिय भूमिका निभाने का अनुरोध किया। उन्होंने यह भी बताया कि प्रतिभागियों को ऑनलाइन EDP प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया चल रही है, जिससे लाभार्थियों को EDP प्रशिक्षण प्रदान करने की समस्या को कम किया जा सके।

तत्पश्चात, आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी

... continue to page 11

ने भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया और केनरा बैंक को पीएमईजीपी योजना के तहत उनके योगदान के लिए उपहार स्वरुप एक चरखा और ट्रॉफी प्रदान किया।

इससे पहले, आयोग के सं. मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने पीएमईजीपी योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागी को पिछले तीन वर्षों के लिए पीएमईजीपी के तहत लक्ष्य को प्राप्त करने के बारे में भी बताया।

अपने उद्घाटन संबोधन में उप सचिव, एमएसएमई मंत्रालय ने बैंकरों की सराहनीय और सक्रिय भूमिका की सराहना की क्योंकि पीएमईजीपी योजना में केवीआईसी द्वारा 98% लक्ष्य प्राप्त किया गया है। उन्होंने बताया कि बैंकों के साथ लगभग 3900.00 रुपये के मार्जिन मनी आवेदन लंबित हैं और 725.00 करोड़ की परियोजनाओं को बैंकों द्वारा वित्तपोषित किया गया है एवं अभी तक ऑनलाइन पोर्टल पर दावा नहीं किया जा सकता है और उन्होंने बैंकरों से अनुरोध किया गया है कि वे 100 दिनों के लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम होने वाले इन दावों को शीघ्र पूरा करें।

उन्होंने जोर देते हुए सुझाव दिया कि वित्तपोषित बैंक वैध कारणों के बिना पीएमईजीपी परियोजनाओं को अस्वीकार करने से बच सकते हैं। उन्होंने योजना के तहत एससी / एसटी आवेदकों पर अधिक ध्यान देने के लिए बैंकरों से आग्रह किया।

इससे पहले, निदेशक (पीएमईजीपी) ने वर्ष 2018-19 के लिए विस्तार से राज्य-वार और बैंक-वार पीएमईजीपी योजना की प्रगति प्रस्तुत की । निदेशक (पीएमईजीपी) ने स्पष्ट किया कि पीएमईजीपी योजना प्रथम पीढ़ी के उद्यमी के लिए है और अस्वीकृति को कम करने के लिए इसमें से कुछ बैंक द्वारा सुझाए गए तीन वर्षों के आईटी रिटर्न की आवश्यकता नहीं हो सकती है। ◈◈

रांची में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर राज्य स्तरीय कार्यशाला

आयोग ने रांची में एक राज्य स्तरीय प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें बैंकरों, उद्यमियों, प्रशिक्षण प्रमुखों और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। 19 जुलाई, 2019 को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बैंकों और जिलों को सम्मानित किया गया।

आंचलिक कार्यालय, भोपाल में 03.07.2019 को आंचलिक समिति की बैठक

जम्मू कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र में आयोग द्वारा रोज़गार सृजन हेतु प्रशिक्षण प्रदान कर विद्युत चालित कुम्हारी चाक, मधुमक्खी बॉक्स वितरित

आयोग ने एडीजीपीआई के साथ मिलकर जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के स्थानीय लोगों के लिए मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण का आयोजन किया। आयोग द्वारा 100 व्यक्तियों को 5 बैचों में प्रशिक्षित किया गया, प्रत्येक बैच में 20 लोगों को शामिल किया गया और प्रशिक्षुओं को 17 जुलाई, 2019 को बी बॉक्स और अन्य उपकरण वितरित किये गये।

आयोग ने सोपोर, जम्मू कश्मीर में हनी मिशन कार्यक्रम का विस्तार करने के लिए एडीजीपीआई के साथ हाथ मिलाया एवं उच्च गुणवत्ता वाले शहद का उत्पादन करने के लिए युवाओं को 1,000 मधुमक्खी बक्से वितरित किये ।

जम्मू कश्मीर के दूरस्थ क्षेत्रों के कुम्हारों को सशक्त बनाने के लिए, सांबा जिले के खड़ा मदाना गांव में कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील्स वितरित किए गए, जिससे 100 से अधिक कुम्हारों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। पूर्व मंत्री श्री मनिहाल और सरपंच ने भी समारोह में भाग लिया।

आयोग के पंपोर, श्रीनगर स्थित पीएमटीसी द्वारा 3 जुलाई, 2019 को प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन जम्मू और कश्मीर के कॉन्फ्रेंस हॉल, बारो कारगिल लद्दाख डिवीजन में किया गया था। शिविर के दौरान कारगिल आयुक्त माननीय डा. बशीर उल हक चौधरी (IAS) मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे। जागरूकता शिविर के दौरान क्लस्टर प्रमुख जेके बैंक, एलडीएम कारगिल, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, कारगिल, केवीआईसी, केवीआईबी, एससी / एसटी के प्रतिनिधि और अन्य सैकड़ों लाभार्थी उपस्थित थे।

आयोग ने जम्मू कश्मीर के लाभार्थियों के लिए कारगिल लद्दाख डिवीजन में 3 जुलाई, 2019 को एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया, जिसमें नवोदित उद्यमियों ने भी सहभागी कार्यक्रम में भाग लिया।

जयपुर में 5 जुलाई 2019 को प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री आलोक आईएएस प्रमुख शासन सचिव, राजस्थान सरकार और अध्यक्षता श्री केके पाठक आयुक्त उद्योग, श्री एस.एन. शुक्ला, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (यूपी), प्रकाश वीर राठी, संयोजक राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, श्री बद्री लाल मीणा, राज्य निदेशक, श्री हरि मोहन मीणा, सचिव, राजस्थान खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, आरबीआई एजी श्री दिनेश कुमार, जनरल जेएंडके, एलडीएम, आरएसईटीआई, खादी बोर्ड और राज्य कार्यालय, जयपुर / बीकानेर के अधिकारियों के सभी जिला उद्योग केंद्रों के प्रबंधक कर्मचारियों ने भाग लिया।

मूलाकराईपट्टी में एक पीएमईजीपी जागरूकता शिविर

आयोग ने तिरुनेलवेली के पास मूलाकराईपट्टी में एक पीएमईजीपी जागरूकता शिविर का आयोजन किया। लगभग 150 इच्छुक उद्यमियों ने भाग लिया और उपस्थित अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया।

हनी मिशन कार्यक्रम के तहत जागरूकता शिविर

सिरोही जिले (राजस्थान) के ग्राम रोड पंचायत समिति, अबू रोड चड़वास में 22 जुलाई, 2019 को हनी मिशन कार्यक्रम के तहत पहले जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जहां आयोग के राज्य निदेशक ने ग्रामीणों को इस योजना के बारे में जागरूक किया।

सेवापुरी गांधी आश्रम में 100 कुम्हारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

वाराणसी में सेवापुरी गांधी आश्रम में आयोग ने अपने कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत 100 कुम्हारों के लिए केवीआईसी के सप्ताह भर चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारी प्रतिक्रिया मिली, यह समाज के अंतिम पंक्ति में खडे व्यक्ति के उत्थान के लिए खादी की प्रतिबद्धता को इंगित करता है।

बजट 2019: स्फूर्ति योजना के तहत पारंपरिक उद्योगों का उन्नयन

स्फूर्ति योजना के तहत पारंपरिक उद्योगों के लिए क्लस्टर-आधारित विकास को प्रोत्साहित करने हेतु सामान्य सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 5 जुलाई को अपने प्रथम बजट भाषण में कहा कि कृषि-ग्रामीण औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार, स्फूर्ति योजना के तहत बांस, खादी और शहद पर ध्यान देने के साथ- साथ क्लस्टर आधारित विकास पर भी ध्यान केन्द्रित कर रही है।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि एस्पायर (एएसपीआईआरई) योजना के तहत कृषि-ग्रामीण औद्योगिक क्षेत्र में 75000 उद्यमियों को सक्षम करने के लिए 100 व्यवसाय इन्क्यूबेटरों की स्थापना की जाएगी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (सू.ल.म.उ.) द्वारा क्लस्टर विकास को बढ़ावा देने के लिए पारंपरिक उद्योग के उत्थान के लिए निधि योजना 2005 में स्फूर्ति योजना शुरू की गई थी।

स्फूर्ति को पारंपरिक ग्रामीण उद्योगों के सतत विकास, रोजगार और नियमन प्रणाली को मजबूत करने के लिए शुरू किया गया था। इस योजना में उन्नत उपकरणों, औजारों और विपणन बुनियादी ढांचे के प्रावधान की मांग की गई है। वित्त मंत्री ने अपने बजट के भाषण में कहा कि वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान पारंपरिक उद्योगों में काम करने वाले 50,000 कारीगरों को सक्षम और प्रोत्साहित करने के लिए 100 नए क्लस्टर स्थापित किए जाएंगे।

स्फूर्ति के तहत, पारंपरिक उद्योगों के लिए क्लस्टर आधारित विकास को प्रोत्साहित करने के लिए, उनकी उत्पादकता, लाभप्रदता और टिकाऊ रोजगार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी) की स्थापना की जाएगी।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि आजीविका बिजनेस इनक्यूबेटर्स (LBI) और प्रौद्योगिकी बिजनेस इन्क्यूबेटर्स (TBI) की स्थापना के लिए इनोवेशन, ग्रामीण उद्योग और उद्यमिता को बढ़ावा देने की योजना- एस्पायर को शामिल किया गया है।

केंद्रीय बजट वित्तीय वर्ष 2019-20 पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा "हम कृषि बुनियादी ढांचे में व्यापक रूप से निवेश करेंगे। हम किसानों से उपज बढ़ाने के लिए निजी उद्यमिता का समर्थन करेंगे। अक्षय ऊर्जा का सृजन करेंगे। अन्नादता उर्जादाता भी हो सकता है।'

इग्नू के बाद, केवीआईसी को आईआईआईटी से आपूर्ति आर्डर मिला

नई दिल्ली: यहां खादी और ग्रामोद्योग आयोग से कुछ अच्छी खबर है! इस वर्ष मार्च में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) से अंगवस्त्रम के साथ खादी सिल्क की बागे की विभिन्न किस्मों के ऑर्डर के बाद, आयोग ने भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT), इलाहाबाद से 543 खादी जैकेटों और 450 अंगवस्त्रम की आपूर्ति के लिए नया ऑर्डर प्राप्त किया है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि आईआईआईटी के आगामी दीक्षांत समारोह के दौरान इस्तेमाल किए जाने के उद्देश्य से यह आदेश एक व्यापक संदेश देता है। "यह आदेश अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए आह्वान हो सकता है क्योंकि खादी एक अद्वितीय भारतीयता रखता है। इस आदेश में ब्लू डेनिम खादी जैकेट, ग्रीन प्रिंटेड खादी जैकेट और लेमन येलो प्रिंटेड खादी जैकेट शामिल हैं। उन्होंने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि लंबे समय में, हमारे कारीगरों द्वारा अपने सुनहरे हाथों 'के साथ बनाया गया जैकेट और अंगवस्त्रम सभी प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के दीक्षांत समारोह के लिए एक अनूठा मॉडल होगा।"

बता दें कि भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान का यह ऑर्डर 7.00 लाख रुपये से अधिक का है और आयोग को लगभग 1000 से अधिक खादी जैकेट और अंगवस्त्रम की आपूर्ति करने के लिए कहा गया है।

प्रेस कवरेज

HOMESPUN

Khadi commission creates jobs, fights terrorism and pollution

UTPAL KUMAR
NEW DELHI

From being seen as a fabric of Gandhian austerity to being a fashionably cool stuff, khadi has come a long way. No longer a fabric of the poor, it now attracts the best of fashion designers who invariably love to explore the fabric. But Vinai Kumar Saxena, Khadi and Village Industries Commission (KVIC) chairperson, believes that it is also gaining popularity for being eco-friendly. "It leaves zero carbon footprint. To manufacture one metre of khadi, you need to spend much less water in comparison to other fabrics. You can save billions of litres of water if you are using khadi," he says.

Khadi may be the centre force of the KVIC's agenda, but over the years it seems to have cracked the code of dealing with the three most significant scourges of our times—unemployment, terrorism and pollution. "The KVIC has created more than 20 lakh new jobs in the last five fiscals under the Prime Minister Employment Generation Programme," Saxena says. He adds how innovative measures like bee keeping and *kulhar* (earthen pot) making have created employment in the country. "In Bihar alone, 6,000 bee boxes have been distributed by KVIC. Earlier, people were wary of putting bee boxes in their fields, fearing they would destroy their farm and also bite the farmers working there. But our studies suggest that farm productivity increases by 30% if bee boxes are placed there. Bees collect pollen nectar from about 3 km radius. So, when you place bee boxes in an area, you are not only making honey for yourself, but also benefiting the farmers in that entire radius."

On the issue of terrorism, Saxena gives the example of KVIC working in Jammu & Kashmir. "In the Valley, we are working closely with the Army. In fact, it's the Army that selects places for us to work. We have so far distributed 2,300 bee boxes in Kupwara district alone. It has changed the lives of 230 people there. By creating jobs, one can contain militancy," says the KVIC chief as he recalls how a khadi training institute in Pampore is changing the mood in what was once the bedrock of terrorism. "We were warned by security forces not to visit Pampore, but when we insisted, they advised us to stay there for 10-15 minutes. We ended up

P15

The Sunday Guardian

HOMESPUN

Khadi commission creates jobs, fights terrorism and pollution

UTPAL KUMAR
NEW DELHI

From being seen as a fabric of Gandhian austerity to being a fashionably cool stuff, khadi has come a long way. No longer a fabric of the poor, it now attracts the best of fashion designers who invariably love to explore the fabric. But Vinai Kumar Saxena, Khadi and Village Industries Commission (KVIC) chairperson, believes that it is also gaining popularity for being eco-friendly. "It leaves zero carbon footprint. To manufacture one metre of khadi, you need to spend much less water in comparison to other fabrics. You can save billions of litres of water if you are using khadi," he says.

Khadi may be the centre force of the KVIC's agenda, but over the years it seems to have cracked the code of dealing with the three most significant scourges of our times—unemployment, terrorism and pollution. "The KVIC has created more than 20 lakh new jobs in the last five fiscals under the Prime Minister Employment Generation Programme," Saxena says. He adds how innovative measures like bee keeping and *kulhar* (earthen pot) making have created employment in the country. "In Bihar alone, 6,000 bee boxes have been distributed by KVIC. Earlier, people were wary of putting bee boxes in their fields, fearing they would destroy their farm and also bite the farmers working there. But our studies suggest that farm productivity increases by 30% if bee boxes are placed there. Bees collect pollen nectar from about 3 km radius. So, when you place bee boxes in an area, you are not only making honey for yourself, but also benefiting the farmers in that entire radius."

On the issue of terrorism, Saxena gives the example of KVIC working in Jammu & Kashmir. "In the Valley, we are working closely with the Army. In fact, it's the Army that selects places for us to work. We have so far distributed 2,300 bee boxes in Kupwara district alone. It has changed the lives of 230 people there. By creating jobs, one can contain militancy," says the KVIC chief as he recalls how a khadi training institute in Pampore is changing the mood in what was once the bedrock of terrorism. "We were warned by security forces not to visit Pampore, but when we insisted, they advised us to stay there for 10-15 minutes. We ended up

P15

HOMESPUN

Khadi commission creates jobs, fights terrorism and pollution

CONTINUED FROM P1

being there for three hours."

Another institution the KVIC has revived is at Nagrota in Jammu, where a stitching centre for women of militancy-affected families was set up. "Hundreds of women earn their livelihoods at this centre," adds Saxena.

However, it's a *papad* unit in Varanasi that brings a big smile on the KVIC chief's face. "Women walk 3-4 km along railway tracks to reach the workplace at 2.30 am. They knead dough for the next three hours to earn Rs 300 per day. A second batch of women start coming from 5.30 am to collect the dough, which they roll into papad at home," he says. "These women have been trained by KVIC."

According to Saxena, all the state offices of KVIC have been asked to adopt one village in their respective areas, where a sanitation and water conservation drive can turn them into model villages. The KVIC has adopted Qutubgarh, on the outskirts of Delhi, under its Swachhata Abhiyaan and besides maintaining the cleanliness of this village, it also takes care of the cleanliness of ponds there. "We are hopeful that soon people from Delhi would go to Qutubgarh to enjoy its water bodies," he says.

Saxena's love for water bodies goes back to his childhood. He recalls, "When I was young, my mother was the principal of a government inter-college near Chitrakoot. The place

Vinai Kumar Saxena, Khadi and Village Industries Commission (KVIC) chairperson.

was blessed with a river and a *nulla* stayed in a small but along one of its streams. But when I went there recently, I was shocked to see a lot of construction work there. A big temple has taken the place of the small but, blocking the flow of the stream."

Plastic is another issue that KVIC is dealing with. "We have set up a mill in Jaipur. We are making handmade paper bags out of waste plastic. A paper bag is made of 20% waste plastic that is collected from rivers, roadsides, etc. Plastic waste is destructured, degraded, diluted and used in these hand-made paper bags. We have made seven lakh bags so far. Jaipur's *nalas* have got cleaned because of this exercise," says Saxena and adds that the Dal lake in Srinagar, too, has been cleaned of the algae and the extracted waste has been used to make green paper bags. "Twenty-five children from Kupwara are being trained in Jaipur."

The KVIC is also taking big strides in minimising the use of plastic by encouraging the production of *kulhars* and terracotta items. "Amethi has a lot of the Kumhar community. With the objective to empower them, we have trained and financially supported them in setting up *kulhar*-making units. In order to support them, plastic products have been replaced with *kulhars* and terracotta items in Rae Bareli and Varanasi railway stations. We have been setting up similar units at other places in the country," says Saxena. He says that one small *kulhar* costs 40 paise and sells for Re1.

"On electric potter wheel one can make 700-800 *kulhars* a day. At 10% its cost, we distribute this machine, which has made the otherwise arduous task of *kulhar* making an easy affair. We have distributed such machines in as remote and distant areas as Leh and Ladakh to Manipur and Meghalaya," Saxena says.

प्रेस कवरेज

omments Email Print SHARE
Greater Kashmir

BJP delegation, KVIC Chairman, others meet Governor

GK NEWS NETWORK

Srinagar, July 17: A delegation of Bharatiya Janata Party (BJP), comprising, Speaker Legislative Assembly, Nirmal Singh, former minister, Shakti Parihar, and former Member Legislative Assembly, Daleep Singh, met the Governor, Satya Pal Malik, here at the Raj Bhavan on Wednesday.

Advisor Vijay Kumar and Director General of Police, Dilbagh Singh, were also present on the occasion.

The delegation expressed concern regarding "growing threats to the safety and security of people, illegal encroachments on forest land, and incidences of bovine smuggling in the erstwhile Doda region".

It demanded strengthening of the security apparatus, including Village Defence Committees, and provision of mobile bunkers.

Vinai Kumar Saxena, Chairman, Khadi and Village Industries Commission (KVIC), also met the Governor at the Raj Bhavan.

Saxena discussed the promotion and implementation of programs for the development of Khadi and other village industries with the Governor.

Meanwhile, Dr Satbir Bedi, Chairperson, National Council for Teacher Education (NCTE), also met the Governor and apprised him about the ongoing initiatives of the NCTE for improving standards of education system throughout the country.

Bedi also informed the Governor about the challenges NCTE is facing.

Furthermore, Rakesh Jain, Akhil Bharatiya Seh Sanyojak, Paryavaran Gatividhi (RSS), also met the Governor at the Raj Bhavan.

Div Com emphasizes on promotion of area specific trades

Suggests encouraging bag making, bee keeping, bamboo craft units

■ TNN REPORT

JAMMU: Laying emphasis upon to impart training to unemployed youth in the trades having locally available raw material, the Divisional Commissioner, Sanjeev Verma today stressed on the need for promoting potential trades in specific areas for the growth of local economy.

Chairing a meeting of heads of key departments and District Development Commissioners, here he directed to impart training to unemployed youth in the trades having locally available raw material.Div Com asked the concerned departments to intensify skill development in local art and craft in the districts. He also asked the officers to conduct visits in districts and block level and organise camps for creating mass awareness about the employment generation schemes among the youth.

Div Com asked the DCs and concerned departments to encourage people towards trades of packaging materials, like making Jute and cotton bags, leaf cups, baskets and other such products to eradicate menace of polythene.

The concerned officers were asked to organise exhibitions of Handloom and Handicraft products.

He also stressed on encouraging people towards bee keeping, cultivation of mushrooms, vegetables, local fruit products and other cash crops. The KVIC officials were asked to provide financial assistance to the entrepreneurs for the development of their trades. A threadbare discussion was held on providing markets to the local products. The meeting was attended by Director Horticulture, Raj Kumar Katoch, Joint Director Handloom, Kanta Rukwal besides senior functionaries of Handicraft, KVIB, KVIC, Agriculture and other concerned departments. The DDCs of the province attended the meeting through video conferencing.

प्रेस कवरेज

Div Com emphasizes on promotion of area specific trades

Suggests encouraging bag making, bee keeping, bamboo craft units

JAMMU, JULY 25 : Divisional Commissioner, Sanjeev Verma today stressed on the need for promoting potential trades in specific areas for the growth of local economy.

Chairing a meeting of heads of key departments and District Development Commissioners, here he directed to impart training to unemployed youth in the trades having locally available raw material.

The meeting was attended by Director Horticulture, Raj Kumar Katoch, Joint Director Handloom, Kanta Rukwal besides senior functionaries of Handicraft, KVIB, KVIC, Agriculture and other concerned departments. The DDCs of the province attended the meeting through video conferencing.

The Div Com asked the concerned departments to intensify skill development in local art and craft in the districts. He also asked the officers to conduct visits in districts and block level and organise camps for creating mass awareness about the employment generation schemes among the youth.

The Div Com asked the DCs and concerned departments to encourage people towards trades of packaging materials, like making Jute and cotton bags, leaf cups, baskets and other such products to eradicate menace of polythene.

The concerned officers were asked to organise exhibitions of Handloom and Handicraft products.

He also stressed on encouraging people towards bee keeping, cultivation of mushrooms, vegetables, local fruit products and other cash crops. The KVIC officials were asked to provide financial assistance to the entrepreneurs for the development of their trades. A threadbare discussion was held on providing markets to the local products.

FOREVER NEWS

KVIC organizes State Level Workshop on PMEGP

Khadi and Village Industries Commission (KVIC) on Thursday organized State Level Workshop on flagship Prime Ministers Employment Generation Program at SKICC Srinagar.

On the occasion Dr. Hina Shafi Bhat, Vice Chairperson J&K KVIB, Shri Fayaz Ahmad Bhat

Vice President J&K Bank Convener SLBC, Shri Rashid Ahmad Qadri Secretary/CEO J&K KVIB, Shri D.S. Bhati State Director KVIC J&K, Shri Anil Kumar Sharma Asstt. Director Nodal Officer PMEGP J&K, Director RSETIs', Lead District Managers, Representatives from KVIC, KVIB, DIC, Secretaries of various Khadi Institutions were present under 100 days action plan.

Khadi India
2,545 Tweets

Tweets | Tweets & replies | Media | Likes

Khadi India @kvicindia · 2h
Save the pride of our nation, Save Tigers.
#InternationalTigerDay #SaveTiger
#KVIC #MondayMorning

Pratap Sarangi and 3 others

2 7

Khadi India @kvicindia · 1d
Conserve, or else there would be nothing to preserve.
#WorldNatureConservationDay
#SundayMorning
#KVIC

प्रेस कवरेज

पांच साल में पांच करोड़ लोगों को रोजगार देंगे : गडकरी

दावा

नई दिल्ली | अरविंद सिंह

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अगले पांच सालों में पांच करोड़ लोगों को रोजगार देने का रोडमैप तैयार कर लिया है। 400 करोड़ के बजट से ग्रामीण, आदिवासी क्षेत्र के अति पिछड़े 115 जिलों में विभिन्न प्रकार के व्यवसाय-धंधों को बढ़ावा दिया जाएगा।

देशभर में 115 जिलों में लोग सामाजिक, आर्थिक व शैक्षिक रूप से बहुत पिछड़े हैं। सूक्ष्म एवं लघु मंत्रालय, कृषि मंत्रालय और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय संयुक्त रूप से उक्त जिलों में काम करेंगे। समस्त योजनाओं पर अमल करने की कमान गडकरी के हाथों में होगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग के अलावा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री के रूप में कार्यरत गडकरी ने 'हिंदुस्तान' से एक खास मुलाकात में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रामीण-आदिवासी क्षेत्र के 115 जिलों की पहचान कर वहां के लोगों को रोजगार देने और औसत आय बढ़ाने के लिए कहा है।

'विभिन्न योजनाओं को पूरा करने के लिए कृषि मंत्रालय, आदिवासी मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से 100-100 करोड़ रुपये मांगा गया है। मेरा मंत्रालय भी 100 करोड़ देने के लिए तैयार है।' इसके अलावा अन्य योजनाओं के लिए अलग से बजट बनेगा।

देश का आधा विकास गडकरी भरोसे

नितिन गडकरी ने कहा कि मुझसे जुड़े मंत्रालयों का जीडीपी विकास में 29 फीसदी का योगदान है। भविष्य में यह आंकड़ा 50 फीसदी करने का लक्ष्य है। गत पांच सालों में मुझसे संबद्ध मंत्रालयों में 10 करोड़ लोगों को रोजगार दिया गया। इसे बढ़ाकर 15 करोड़ लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य है।

शहद का निर्यात होगा

उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में शहद के निर्यात करने की योजना है। वर्तमान में मधुमक्खी पालन के लिए सिर्फ 10,000 बी-बॉक्स वितरित किए जाते हैं। खादी ग्राम उद्योग में इनकी संख्या बढ़ाते हुए इस साल दो लाख बॉक्स वितरित करने के आदेश दिए गए हैं। शहद निर्यात से स्थानीय निवासियों की आय बढ़ेगी, इसका दूसरा फायदा यह है कि मधुमक्खी पालन वाले क्षेत्र के आसपास फसल उत्पादन 20 फीसदी बढ़ जाता है।

मशरूम का उत्पादन बढ़ाएंगे

इसके साथ ही मशरूम का उत्पादन बढ़ाने और बाजार विस्तार किया जाएगा। मशरूम से बिस्कुट, सूप, सब्जी आदि बनाया जाता है।

नीली क्रांति पर जोर

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि नीली क्रांति के माध्यम से रोजगार बढ़ाने की योजना है। अभी पानी के जहाज समुद्र में सात से आठ नॉटिकल माइल जाते हैं। सरकार सवा करोड़ कीमत के आधुनिक जहाज खरीद करेगी जोकि समुद्र में 100 नॉटिकल माइल भीतर जाकर मछली पकड़ सकेंगे। इससे मछली उद्योग में पांच गुना तक बढ़ोतरी होगी।

अगरबत्ती उद्योग को बढ़ावा

गडकरी ने कहा कि देश में 4000 करोड़ रुपये की अगरबत्ती आयात की जाती है। सरकार की योजना है कि ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्र में अगरबत्ती उद्योग को खड़ा किया जाए। उपरोक्त छोटी योजनाओं को विश्व बैंक, एडीबी व अन्य बैंक कर्ज देने के लिए राजी हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय बैंकों के साथ अक्सर बैंक, कॉर्पोरेट बैंक आदि का तालमेल किया जा रहा है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आसानी से कर्ज मुहैया कराया जा सके।

महुआडाबरा के 75 कातीनो को बांटे चरखे

जसपुर। खादी और ग्रामोद्योग देहरादून की ओर से महुआडाबरा के 75 कातीनो को चरखे बांटे गए। खादी ग्राम उद्योग निकेतन ध्यान नगर में खादी सुधार एवं विकास कार्यक्रम के तहत दस दिनी कताई प्रशिक्षण शुरू किया गया। बहुउद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र खादी और ग्रामोद्योग मेडिकल कॉलेज रामपुर रोड हल्द्वानी की ओर से कातीनो को एनएमसी चरखों पर कताई का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक आदेश चौहान ने किया। इस दौरान प्राचार्य एमडीटीसी हल्द्वानी हरीश चंद्र, सुमन डालाकोटी, वरिष्ठ कार्यकारी बहुउद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र हल्द्वानी नईमुद्दीन, प्रगति लघु उद्योग समिति जसपुर समीर, बुनकर खादी समिति जसपुर के जाकिर हुसैन आदि थे। ब्यूरो

देहरादून | शनिवार, 6 जुलाई 2019 12

पीएमईजीपी से साकार हो रहा स्वरोजगार का सपना

वर्ष 2018-19 में 2168 युवाओं ने शुरू किया अपना काम

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के जरिये बेरोजगार युवाओं का स्वरोजगार का सपना साकार हो रहा है। वर्ष 2018-19 में प्रदेश के 2168 युवाओं को स्वरोजगार करने के लिए 40.83 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी दी गई। इस साल प्रदेश सरकार का गत वर्ष से अधिक लक्ष्य हासिल करने पर फोकस है। जिससे युवाओं को स्वरोजगार के लिए बैंकों से ऋण उपलब्ध हो सके।

देश में बढ़ती बेरोजगारी को कम करने व पढ़े लिखे युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने को केंद्र सरकार प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) का संचालन कर रही है। योजना के तहत बेरोजगार युवा अपना काम करने के लिए योजना तैयार करते हैं। इसके बाद उन्हें बैंक के माध्यम से काम करने के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाता है। अपना काम करने के लिए सरकार की ओर से युवाओं को मार्जिन मनी भी दी जाती है।

बेरोजगार युवाओं ने टेलरिंग, रेडीमेट गारमेंट, आटा चक्की,

केंद्र से मिली 40.83 करोड़ की मार्जिन मनी

युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए पीएमईजीपी योजना कारगर साबित हो रही है। पिछले साल उत्तराखंड ने केंद्र की ओर से निर्धारित लक्ष्य से अधिक युवाओं को लाभान्वित किया है। एक साल में ही दो हजार से अधिक युवाओं को विभिन्न बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया गया। – मनीषा पंवार, प्रमुख सचिव, उद्योग विभाग

मैन्युफैक्चरिंग फूड इंडस्ट्री, ब्यूटी पार्लर, फोटो स्टूडियो, फर्नीचर, बेकरी, कंप्यूटर सेंटर, केबिल टीवी नेटवर्क, स्टील ग्रिल, ऑटो सर्विस सेंटर, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रानिक स्टोर आदि के लिए बैंकों से ऋण लिया।

पीएमईजीपी में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने को 25 लाख और सर्विस सेक्टर के लिए 10 लाख रुपये का अधिकतम ऋण मिल सकता है।

शहरी क्षेत्र में 25 से 15 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों के लाभार्थियों को 35 प्रतिशत तक कारोबार शुरू करने के लिए अनुदान मिलता है।

वर्ष 2018-19 में स्वीकृत प्रोजेक्टों के लिए जारी मार्जिन मनी

जनपद	प्रोजेक्ट	मार्जिन मनी
अल्मोड़ा	172	286.42
बागेश्वर	168	234.69
चमोली	159	263.63
चंपावत	141	272.08
देहरादून	213	442.10
हरिद्वार	157	474.49
नैनीताल	196	393.04
पौड़ी	116	271.04
पिथौरागढ़	298	354.45
रुद्रप्रयाग	182	326.78
टिहरी	119	233.46
यूएसनगर	119	337.96
उत्तरकाशी	128	192.55
कुल	2168	4083.09

यह पहली योजना है, जिसमें ऋण की प्रथम किस्त स्वीकृत होते ही मार्जिन मनी की राशि लाभार्थी के खाते में जमा हो जाती है, लेकिन तीन साल की अवधि तक मार्जिन मनी का इस्तेमाल नहीं कर सकता है।

प्रेस कवरेज

पीएमईजीपी के सपने को साकार करने में अव्वल होगा राजस्थान : आलोक

जयपुर।

हर हाथ को हुनर-हर हाथ को काम के लक्ष्य को साथ लेकर माननीय प्रधानमंत्री के सपने ''सबका का साथ-सबका विकास'' करने के लिए राजस्थान राज्य पूरे देश में अव्वल रहने की सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय के प्रमुख शासन सचिव आलोक, उद्योग कमिश्नर डा.के.के.पाठक तथा खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, भारत सरकार के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्यनारायण शुक्ला के आह्वान पर एकबद्ध होकर हुंकार भरी। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, राजस्थान द्वारा आयोजित ''राज्यस्तरीय पीएमईजीपी कार्यशाला'' में भारत सरकार की सर्वमहत्ती योजना पीएमईजीपी की प्रगति समीक्षा बैठक में सभी जिलों के बैंकर्स, जिला उद्योग केन्द्र महाप्रबंधक, आरसेटी-रुडसेटी निदेशक, आरबीआई महाप्रबंधक, एसएलबीसी प्रतिनिधि, राजस्थान खादी बोर्ड प्रतिनिधि एवं विभाग से सम्बद्ध 200 से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के प्रमुख शासन सचिव आलोक ने योजना को प्रभावशाली तरीके से लागु करने के लिए अपने विभाग की तत्परता एवं सजगता का विश्वास खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग को दिलवाया।

इस अवसर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्यनारायण शुक्ला ने नॉर्थ जोन के लिए निर्धारित अनुदान राशि का सर्वाधिक 34 प्रतिशत भाग राजस्थान को आवंटित करने की जानकारी प्रदान की।

साथ ही कहा कि यदि राज्य सरकार एवं बैंकर्स इस योजना में तत्परता से कार्य करते हुए प्रभावशाली तरीके से काम करते हैं, तो अतिरिक्त लक्ष्य भी आवंटित कर दिये जायेंगे।कार्यक्रम के आरंभ में राज्य निदेशक बद्रीलाल मीना ने सभी मेहमानों को शॉल एवं बुके प्रदान कर स्वागत किया तथा स्वागत भाषण एवं पीएमईजीपी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। आरबीआई के महाप्रबंधक दिनेश कुमार तथा एसएलबीसी संयोजक प्रकाशवीर राठी ने सभी बैंकों की ओर से पूर्ण तत्परता एवं गति से कार्य करने का आश्वासन दिया। राजस्थान खादी बोर्ड के सचिव हरिमोहन मीणा ने अपने विभाग के द्वारा पूर्ण गति से कार्य करने के लिए बताया। उद्घाटन सत्र की पूर्णाहुति के उपरान्त तकनीकी सत्र में पीपीटी के माध्यम से सहायक निदेशक यशवीर मल्लिक ने 30 जून 2019 तक की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा व्यापक जानकारी प्रदान की। संयुक्त सचिव पी.एन.शर्मा ने योजना की कार्यपद्धति की विवेचना प्रस्तुत की। कार्यक्रम का आयोजन कमलनिष्ठ संस्थान, कोलसिया द्वारा जयपुर स्थित होटल सरोवर पैलेस में किया गया, मंच संचालन सालेहा गाजी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के सहायक निदेशक डी.के.चावला, आर.एल. माथुर सहित बड़ी संख्या अधिकारियों ने भाग लिया।

सिविल इंजीनियर कर रहा है मधुमक्खी पालन

मधुमक्खी पालन से बढ़ती है फसलों की गुणवत्ता

कीटनाशक दवाइयों का नहीं करना पड़ता है छिड़काव

वडोदरा. शहर के दौलतपुरा स्थित सिविल इंजीनियर दिपेन ने चंदन की सुरक्षा के लिए शुरू किया मधुमक्खी पालन आज अनेक लाभ का वटवृक्ष बना है। मास्टर्स इन सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद दिपेन ने गत वर्ष फरवरी में मधुमक्खी पालन की शुरुआत की। आज उनके पास 150 पेटियां हैं। उन्होंने राज्य सरकार के बागवानी विभाग की ओर से 1.20 लाख रुपए की मदद प्राप्त हुई है।

दिपेन के मुताबिक बागवानी विभाग की ओर से मधुमक्खी पालन के लिए नेशनल बी बोर्ड की ओर से 40 प्रतिशत एवं राज्य सरकार की ओर से 15 फीसदी सहित कुल 55 प्रतिशत सहायता किसानों को दी जाती है। उन्होंने दौलतपुरा व लीमड़ी के किसानों को मधुमक्खी पालन के लिए प्रोत्साहित किया। दौलतपुरा के दो व लीमड़ी के एक सहित तीन किसानों के पास 50-50 बक्सि हैं। इन तीनों किसानों ने भी 1.20-1.20 लाख की सहायता राज्य सरकार की ओर से प्राप्त की है।

आणंद कृषि यूनिवर्सिटी में प्रशिक्षण: सिविल इंजीनियर का कहना है कि आणंद कृषि यूनिवर्सिटी में मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। सरकार की ओर से मिलने वाले प्रशिक्षण एवं योजनाओं का किसानों को लाभ लेना चाहिए और खेती में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने के लिए सक्रिय होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि जिस खेत में मधुमक्खियों की पेटी रखी जाती हैं, वहां कीटनाशक दवाइयों का उपयोग नहीं करना पड़ता है। कीटनाशक दवाइयों का खर्च भी बचता है और फसल की गुणवत्ता बढ़ती है। ऐसे में कीटनाशक दवाई व मजदूरी का खर्च बचता है। जिस खेत में मधुमक्खी की पेटियां रखी जाती हैं, उससे दो-तीन किलोमीटर के क्षेत्र में मधुमक्खियां घूमती हैं। किसानों को जागरूक करने के लिए विजीटर्स फार्म एजुकेशन परिसर भी बनाया गया है, जिसे किसान व विद्यार्थी देख सके।

दैनिक भास्कर

खादी ग्रामोद्योग प्रोत्साहन व विकास पर कार्यशाला

जयपुर | महाराज विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय के सभागार में खादी ग्रामोद्योग प्रोत्साहन एवं विकास कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि खादी ग्रामोद्योग अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना, विशिष्ट अतिथि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक बीएल मीना थे। अध्यक्षता महाराज विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन बैहल मीना ने की। सक्सेना ने खादी एवं ग्रामोद्योग के महत्व पर प्रकाश डाला। संयोजक डॉ. विक्रम गौतम सिंह महरोली ने बताया कि इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. विकास जैन, विश्वविद्यालय के वाइस चेयरपर्सन डॉ. विशाल जैन, मनोहर भट्ट, विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. योगेश यादव भी मौजूद थे। सभी ने पौधरोपण भी किया।

प्रेस कवरेज

केन्द्रीय खादी ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

स्टोन कलस्टर से मुहैया होगा रोजगार

सिकंदरा @ पत्रिका. भारत सरकार के खादी और ग्रामोद्योग आयोग अध्यक्ष विनयकुमार सक्सेना ने शनिवार को स्फूर्ति योजना के तहत सिकंदरा गांव में सवा करोड़ की लागत से बने स्टोन कलस्टर योजना का उद्घाटन किया। समारोह में उन्होंने कहा कि स्टोन की कलाकृति व शिल्पकारों को रोजगार मुहैया कराने के लिए खादी ग्रामोद्योग आयोग ने राज्य में दूसरे नम्बर का स्टोन कलस्टर सिकंदरा में बनाया है। कलस्टर से 160 शिल्पकारों को ट्रेनिंग, मार्केटिंग सहित अन्य विषय पर प्रशिक्षित किया जाएगा। स्टोन कलस्टर से शिल्पकारों को रोजगार मुहैया होगा। उन्होंने आने वाले दिनों में सिकंदरा क्षेत्र में सैण्ड स्टोन व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं लागू करने की बात कहीं। राज्य खादी बोर्ड निदेशक बद्रीलाल मीना ने कहा कि राजस्थान के जिन गांव व ढाणियों में बिजली नहीं है, वहां पर बायोगैस स्थापित करने पर 13 हजार की सब्सिडी मिलेगी। राजस्थान को सात राज्यों में योजनाओं का सबसे अधिक लक्ष्य मिला है। श्रमिकों में बढ़ रही सिलिकोसिस बीमारी की रोकथाम के लिए जल्द ही शिल्पकारों को मॉस्क मुहैया कराए जाएंगे। इसके लिए समय समय पर स्टोन मालिकों व शिल्पकारों को जागरूक करने के लिए शिविर लगाए जाएंगे। खादी विलेज बोर्ड सचिव हरिमोहन मीना ने कहा कि स्टोन कलाकृति में सिकंदरा ने देश ही नहीं बल्कि विदेशों में पहचान बनाई है। यहां के पत्थर की देश के साथ-साथ विदेशों में भी डिमांड है। कलाकृति विकास के लिए कारगर प्रयास किए जाएंगे। खादी समिति सिकंदरा मंत्री शिवकांत बंसल, समिति अध्यक्ष गंगाराम कसाना, लेखाधिकारी भगवानसहाय गुप्ता, सह मंत्री रामस्वरूप कोली, दौसा खादी समिति मंत्री अनिल शर्मा, बयाना समिति मंत्री रामभरोसी, मिट्ठूराम सैनी, विजेन्द्र अग्रवाल, रामविलास मरियाड़ा, पृथ्वीराज मरियाड़ा, राजेश जैन, सेडूराम कसाना, मुकेश कसाना आदि मौजूद थे।

सिकंदरा में खादी ग्रामोद्योग कलस्टर उद्घाटन कार्यक्रम में मंचस्थ अतिथि (ऊपर) व मौजूद लोग।

पत्रिका Sun, 14 July 2019
epaper.patrika.com/c/41379793

2019 राजस्थान

विद्यार्थी स्व-रोजगार व अनुशासन मधुमक्खियों से सीखें : विनय कुमार

■ खादी और ग्रामोद्योग प्रोत्साहन एवं विकास कार्यशाला शुरू

जयपुर, (निसं)। विनय कुमार सक्सेना, अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शनिवार को आयोग की स्फूर्ति योजना के अंतर्गत स्थापित 'सिकन्दरा स्टोन कलस्टर के सामान्य सुविधा केन्द्र' सिकन्दरा, दौसा का उद्घाटन किया गया। उक्त कार्यक्रम में बद्रीलाल मीना, राज्य निदेशक, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, जयपुर, हरिमोहन मीना, सचिव, राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, राजस्थान सरकार, जयपुर, आयोग के अधिकारीगण, कतिन बुनकर, शिल्पकार एवं संस्था के पदाधिकारी मौजूद थे।

इससे पूर्व जयपुर स्थित महाराज विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय के सभागार में 'खादी ग्रामोद्योग प्रोत्साहन एवं विकास' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य खादी ग्रामोद्योग प्रोत्साहन के साथ साथ युवाओं में खादी के प्रति सकारात्मक सोच एवं स्वीकारता की प्रेरणा देना है।

विनय कुमार सक्सेना, अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा दौसा के सिकन्दरा में 'सिकन्दरा स्टोन कलस्टर के सामान्य सुविधा केन्द्र' का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम संयोजक विक्रम सिंह महरोली ने बताया कि उद्बोधन में कार्यशाला के मुख्य अतिथि विनय कुमार सक्सेना ने खादी और ग्रामोद्योग के महत्व पर प्रकाश डालते मधुमक्खी पालन की उपयोगिता, उनसे स्वरोजगार की उत्पत्ति एवं उनके अनुशासन को विद्यार्थी जीवन में उतारने की अपील की। विशिष्ट अतिथि बद्री लाल मीना, राज्य निदेशक, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, जयपुर ने खादी को जीवन का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए इसके गांधी आदर्शों सत्य-रोजगार, जीवन यापन, ग्रामीण विकास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राजस्थान एवं सम्पूर्ण भारत में खादी किस प्रकार से देश के विकास में भागीदार हो सकती है। महाराज विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय के चेयरमैन केशव मीना, आईएएस (रिटायर्ड) ने खादी को ग्रामीण भारत की जीवन आवश्यकता बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी मेहमानों ने विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए नीम, अशोक इत्यादि के वृक्ष लगाये।

प्रेस कवरेज

पंजाब केसरी — जम्मू-कश्मीर

पी.एम. की 'स्वीट क्रांति' के लिए के.वी.आई.सी. व सेना की पहल जारी

नीति आयोग जिला कुपवाड़ा में 1000 बी-बॉक्सों का वितरण

श्रीनगर, 17 जुलाई (मजीद): प्रधानमंत्री की 'स्वीट क्रांति' मिशन के लिए अपनी पहल को जारी रखते हुए पी.एम.टी.सी. पाम्पोर, राज्य कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग आयोग (के.वी.आई.सी.) जम्मू-कश्मीर ने बुधवार को भारतीय सेना के सद्भावना कार्यक्रम के सहयोग से नीति आयोग कुपवाड़ा जिले के जंगली गैरीजन में बी-कीपिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 100 लाभार्थियों के बीच 1000 बी-बॉक्सों का वितरण किया।

उल्लेखनीय है कि यह पहली बार नहीं है कि के.वी.आई.सी. और भारतीय सेना ने पी.एम. की 'स्वीट क्रांति' के लिए हाथ मिलाया है। आज के कार्यक्रम से पहले पिछले साल 12 जून को के.वी.आई.सी. और भारतीय सेना ने एक दिन में 2330 बी-बक्सों का वितरण कर नया विश्व रिकार्ड बनाया था। आज फिर एक बार के.वी.आई.सी. ने भारतीय सेना के सद्भावना कार्यक्रम के सहयोग से 100 लाभार्थियों के बीच 1000 बी-बॉक्सों का वितरण किया।

सीमावर्ती कुपवाड़ा जिले के जंगली गैरीजन में आयोजित समारोह के दौरान मेजर जनरल जे.बी. चौधरी (एस.एम. वी.एस.एम.) जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जी.ओ.सी.) 28 इंफैंट्री डिवीजन, ब्रिगेडियर मुकेश भीमान उप-जी.ओ.सी. 28 इंफैंट्री डिवीजन, ब्रिगेडियर जयंत कर कमांडर 28 आर्टिलरी ब्रिगेड, ब्रिगेडियर के.एस. ग्रेवाल एस.एम. कमांडर 68 इंफैंट्री ब्रिगेड, कर्नल जगदीश कुमार उप-कमांडर मुख्यालय 28 आर्टिलरी ब्रिगेड, कमांडर 41 आर.आर., कमांडर 160 टी.ए. कमांडर जंगली जी.एम. यूनिट (528 ए.एस.सी. बटालियन, 28 आई.डी.एस.आर, 28 इंफैंट्री डिवीजन प्रो. यूनिट), कमांडर आर्टिलरी ब्रिगेड यूनिट (219 एम.आर., 305 एफ.डी. रेजीमेंट, 100 एफ.डी. रेजीमेंट और 632 स्टाट बैटरी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा श्री राम अंभकर, प्रिंसीपल पी.एम.टी.सी. पाम्पोर अनिल कुमार शर्मा, के.वी.आई.सी., सेना, जिला प्रशासन के अधिकारी, सरपंच, कुपवाड़ा अनाथालय के बच्चे, ए.जी.एस. सेन के बच्चे, मोची मिशन के लाभार्थी, महिलाओं का स्वयं सहायता समूह और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान सेना और के.वी.आई.सी. अधिकारी व अन्य (मजीद)

मेजर जनरल जे.बी. चौधरी, जो मुख्यातिथि थे, ने कहा कि इस तरह के विकास कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर में शांति और सद्भाव स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जी.ओ.सी. ने पी.एम.टी.सी. के.वी.आई.सी. पाम्पोर के प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस तरह की पहल भविष्य में भी जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना पिछले डेढ़ साल से के.वी.आई.सी. के सहयोग से कुपवाड़ा के लोगों को उनके दरवाजों पर नौकरी उन्मुख प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान कर रही है। यही नहीं, हाल ही में के.वी.आई.सी. के साथ मिलकर सेना ने जयपुर राजस्थान में कुपवाड़ा जिले के 24 लाभार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

कार्यक्रम के बारे में पूर्ण विवरण देते हुए अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि अध्यक्ष के.वी.आई.सी. विनय कुमार सैक्सेना व राज्य निदेशक जम्मू-कश्मीर डी.एस. भाटी के निर्देशों पर काम करते हुए मैं और पी.एम.टी.सी. पाम्पोर व राज्य कार्यालय से टीम ने भारतीय सेना के सहयोग से 100 लाभार्थियों के लिए बी-कीपिंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया और आज के.वी.आई.सी. के 'हनी मिशन' के तहत 100 लाभार्थियों के बीच 1000 बी-बॉक्सों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि जैसे कि हमारे अध्यक्ष ने पहले ही कहा है कि के.वी.आई.सी. का हनी मिशन जम्मू-कश्मीर में विकास के एक नए अध्याय की पटकथा लिखेगा, ऐसे में हम इसे जारी रखेंगे।

अनिल ने कहा कि के.वी.आई.सी. राष्ट्रीय स्तर पर पी.एम.ई.जी.पी. योजना की नोडल एजैंसी है, इसलिए इस योजना के तहत हम इन लाभार्थियों को अपनी इकाइयों की स्थापना करने के लिए 35 प्रतिशत सब्सिडी के साथ ऋण प्रदान कर सकते हैं।

खादी ग्रामोद्योग बेरोजगारों को रोजगार प्रदान करने का सशक्त माध्यम: कल्पना

ग्रामोद्योग आयोग की ओर से ग्राम भारापुर भौंरी में प्रशिक्षणार्थियों को वितरित किये गये विद्युत चाक

रुड़की ब्यूरो विशाल। खादी और ग्रामोद्योग आयोग सुक्ष्म लघु उद्यम मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से कौशल्या ग्रामोद्योग संस्थान द्वारा कुम्हार उद्योग चाक वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्षा श्रीमति कल्पना सैनी, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक श्रीकुंज बिहारी, कौशल्या ग्रामोद्योग संस्थान रुड़की जनपद हरिद्वार के संरक्षक जितेन्द्र सिंह ने महात्मा गांधी के चित्र पर दीप जलाकर एवं सूत की माला पहनाकर किया।

कार्यक्रम में पहुंचे कौशल्या ग्रामोद्योग संस्थान रुड़की जनपद हरिद्वार के पदाधिकारियों ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यमंत्री श्रीमति कल्पना सैनी ने कहा कि खादी ग्रामोद्योग बेरोजगारों को रोजगार प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। ग्रामोद्योग के माध्यम से रोजगार करने वाले युवाओं को 25 से 35 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है। वहीं 25 लाख रुपए तक का रोजगार के लिए सरकार की ओर से ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इस मौके पर राज्य निदेशक श्रीकुंज बिहारी ने युवाओं से आहवान किया कि वह खादी के उत्पाद तैयार कर अपनी आजीविका सुनिश्चित करें। कुम्हारी उद्योग को अधिक से अधिक बढ़ावा दें। इस अवसर पर खादी ग्रामोद्योग आयोग देहरादून कार्यकारी ग्रामोद्योग गजेन्द्र ने कहा कि खादी मात्र वस्त्र नहीं, एक विचार, एक संस्कृति, एक क्रांति है। संस्थान के मंत्री/सचिव नितिन त्यागी ने कहा कि कुम्हारी उद्योग चाक वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 मार्च से 16 मार्च तक भारापुर भौंरी, रहमतपुर, भगवानपुर में संचालित किया। आज प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को विद्युत चाक निःशुल्क राज्य कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सुक्ष्म लघु उद्यम मंत्रालय भारत सरकार एवं कौशल्या ग्रामोद्योग संस्थान रुड़की की ओर से वितरित किये गये। इस अवसर पर जसवंत सिंह, राजकुमार, नवीन, श्रीमति बबली, चन्द्किरण, गजेन्द्र कार्यकारी ग्रामोद्योग, विकास, राजपाल, रजनीश, गोपाल, जगदीश, श्रीमति राकेश त्यागी, राहुल कुमार, आमिर अली, जितेन्द्र सिंह, अमर अली, श्रीमति गुलबशर, श्रीमति शालू, श्रीमति ममता समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रेस कवरेज

रोजगार प्रदान करने के लिए के.वी.आई.सी. और जे.के. पुलिस ने मिलाया हाथ

शिविर को संबोधित करते पुलिस व के.वी.आई.सी. अधिकारी। (नवीद)

कुपवाड़ा में किया जागरूकता शिविर का आयोजन

श्रीनगर, 20 जुलाई (मजीद): सीमावर्ती कुपवाड़ा जिला के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने की कोशिश में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (के.वी.आई.सी.) और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हाथ मिलाया है। इस सिलसिले में शनिवार को के.वी.आई.सी. द्वारा जम्मू-कश्मीर पुलिस के सहयोग से कुपवाड़ा जिला में जिला पुलिस लाइन (डी.पी.एल.) में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम और हनी मिशन के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

जागरूकता शिविर का मकसद आम जनता के बीच पी.एम.ई.जी.पी. और के.वी.आई.सी. की अन्य योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना था। जागरूकता शिविर में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एस.एस.पी.) कुपवाड़ा अम्बरीकर श्रीराम दिनकर (आई.पी.एस.), राज्य निदेशक के.वी.आई.सी. डी.एस. भाटी, सहायक निदेशक/प्रिंसीपल पी.एम.टी.सी. पांपोर अनिल कुमार शर्मा, शहीद पुलिसकर्मियों के परिवार के सदस्य, पूर्व पुलिसकर्मी, पुलिस और के.वी.आई.सी. के अधिकारी और अन्य स्थानीय लोग मौजूद थे।

इस अवसर पर एस.एस.पी. कुपवाड़ा ने कहा कि रियायती और तकनीकी क्षेत्र में विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के नए उपक्रम पी.एम.ई.जी.पी. के तहत खोले जा सकते हैं और जम्मू-कश्मीर पुलिस के.वी.आई.सी. के सहयोग से हर संभव सुविधा प्रदान करेगी।

डी.एस. भाटी ने पी.एम.ई.जी.पी. योजना को बेरोजगार युवाओं के लिए लाभकारी पहल बताया। उन्होंने कहा कि न सिर्फ पी.एम.ई.जी.पी. बल्कि के.वी.आई.सी. द्वारा अन्य योजनाओं जैसे हनी मिशन, बिजली पर चलने वाली पॉटरी मशीनों का मिशन, मौनी मिशन आदि से भी बेरोजगार लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इस तरह की योजनाओं के लिए ऐसे जागरूकता शिविर बहुत मददगार साबित होते हैं।

इस बीच शिविर को संबोधित करते हुए अनिल कुमार शर्मा ने के.वी.आई.सी. द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं को आवेदन भरे जाने से लेकर बैंक में केस पहुंचाए जाने तक के.वी.आई.सी. के कर्मचारी व अधिकारी हर समय सहयोग देंगे।

खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में कवियों ने बिखेरा हास्य रस

खादी एवं ग्रामोद्योग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी शुरू

भास्कर संवाददाता | श्रीगंगानगर

कुम्हार धर्मशाला में रविवार शाम एलबीएस खादी संस्थान रावतसर के तत्वावधान में राज्य स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योग के विभिन्न आइटमों की प्रदर्शनी लगाई गई। राज्य स्तरीय इस प्रदर्शनी का उद्घाटन पीलीबंगा विधायक धर्मेंद्र मोची ने किया। अध्यक्षता खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड आयोग के डिवीजनल निदेशक बद्रीलाल मीणा ने की। राज्य में खादी एवं ग्रामीण लघु एवं कुटीर उद्योगों के प्रचार-प्रसार एवं इसे बढ़ावा देने के लिए इसका आयोजन किया गया। एलबीएस खादी संस्थान के सचिव भानसिंह राठौड़ एवं आयोग के कोषाध्यक्ष बीएन त्रिपाठी ने बताया कि प्रदर्शनी के तहत खादी के गर्म एवं सामान्य वस्त्रों की स्टालें लगाई गई हैं। इसके साथ ही बीकानेर एवं हनुमानगढ़ जिले सहित अनेक स्थानों के ग्रामोद्योग की स्टालें भी लगाई गई हैं।

विधानसभा में प्रश्न उठाउंगा : विधायक मोची : इस मौके पर मुख्य अतिथि विधायक धर्मेंद्र मोची ने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने के लिए वे खादी संस्थाओं का साथ देंगे। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि खादी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वे विधानसभा में प्रश्न उठाएंगे। इस मौके पर वक्ताओं ने बताया कि बीकानेर खादी के वस्त्रों की विदेशों में विशिष्ट पहचान है।

तीन तक रहेगी कुम्हार धर्मशाला में प्रदर्शनी

तीन अगस्त तक लगाई जाने वाली प्रदर्शनी के प्रति लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए पहले दिन खादी के परिधान में सजी युवतियों की कैट वाक करवाई गई। हास्य कवि सम्मेलन में हास्य कवि रूपसिंह राजपुरी ने राजनीति एवं नेताओं को अपने हास्य में लपेटा। वहीं, उमंग शर्मा ने पति-पत्नी के संबंधों एवं परस्पर नोकझोंक को व्यंग्यात्मक लहजे में छोटी-छोटी हास्य रचनाएं प्रस्तुत की। इस दौरान रंगलाल बिश्नोई ने नशे की बुराई पर कविताएं प्रस्तुत की। इससे पहले कवयित्री नीता अग्रवाल ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत पंजाबी कलाकार जगजीतसिंह जग्गी के साथी जत्थे ने व्यंग्यात्मक लहजे में टप्पे और बोलियां प्रस्तुत की।

प्रेस कवरेज

7 गढ़वाल
राष्ट्रीय सहारा

खादी और ग्राम उद्योग आयोग ने किया चरखों का वितरण

सिटी लाइव
नईदुनिया 07
रायपुर, रविवार 07 जुलाई 2019
www.naidunia.com

अब खादी नए कलेवर के साथ बाजार में

खादी का बढ़ रहा क्रेज, रंगबिरंगे और डिजाइनिंग कपड़े उपलब्ध

इन डिजाइनों की हो रही पूछपरख

प्रैस कवरेज

खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ आज

श्रीगंगानगर (सीमा संदेश डेस्क)। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत चहल चौक स्थित कुम्हार धर्मशाला में

फैशन शो, कवि सम्मेलन व संगीत कार्यक्रम भी होगा

राज्यस्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ रविवार 28 जुलाई को शाम को 5 बजे चहल चौक स्थित कुम्हार धर्मशाला में किया जाएगा। इस सात दिवसीय प्रदर्शनी के दौरान इस अवसर पर विभिन्न तरह के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। सचिव भानसिंह राठौड़ ने बताया कि महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर मंडलीय कार्यालय बीकानेर द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में राज्य की नामित संस्थाएं व यूनिट हिस्सा लेंगी। एलबीएस खादी संस्था रावतसर द्वारा आयोजित खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में खादी उद्योग से जुड़े हुए उत्पाद ग्राहक खरीद सकते हैं। उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि जिला प्रमुख प्रियंका श्योराण होंगी।

विशिष्ट अतिथि सभापति अशोक चांडक तथा खादी ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक बद्रीलाल मीणा होंगे। खादी के परिधान में फैशन डिजाइनरों द्वारा फैशन शो का आयोजन भी किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पंजाबी गायक जगजीत सिंह जिंदा अपनी प्रस्तुति देंगे।

कवि सम्मेलन में हास्य कवि रूपसिंह राजपुरी रावतसर, रंगलाल बिश्नोई, नीता अग्रवाल, दौलतराम अनपढ़, राजस्थानी हास्य कवि हरीश हैरी, बनवारीलाल बन्नी, उमंग शर्मा विविध रंगों से सजी काव्य रचनाएं प्रस्तुत करेंगे।

बरसाती पानी का भंडारण करें, व्यर्थ पानी न बहाएं

पौधारोपण करते खादी एवं ग्रामोदय आयोग के राज्य निदेशक यशपाल सिंह व अन्य ● जागरण

जागरण संवाददाता, करनाल : खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक यशपाल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संचय के लिए पूरे देश के नागरिकों से अपील की है कि वे कल के लिए पानी बचाएं और उसका सदुपयोग करें। ग्रामीण क्षेत्र में बरसाती व फालतू पानी का भंडारण तालाबों में किया जा सकता है। इसके लिए ग्रामीणों को अपने तालाबों को साफ रखना होगा। वे सोमवार को गांव बड़ौता में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की ओर से स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत वर्षा जल संचीकरण के तहत तालाब की सफाई व खुदाई के उपरांत ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज का युग तकनीकी का युग है। अब गांव का विकास शहरों से भी बेहतर हो रहा है।

खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी शुरू

▸▸ एसबीटी न्यूज

श्रीगंगानगर। कुम्हार धर्मशाला में एलबीएस खादी संस्थान रावतसर के तत्वावधान में सात दिवसीय राज्य स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन पीलीबंगा विधायक धर्मेंद्र मोची ने किया। अध्यक्षता खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड आयोग के संभागीय निदेशक बद्रीलाल मीणा ने की।

संस्था सचिव भान सिंह राठौड़ ने बताया कि खादी एवं ग्रामीण लघु एवं कुटीर उद्योगों के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

इसमें खादी व अन्य तरह के विभिन्न उत्पाद प्रदर्शन व बिक्री के लिए रखे गए। इस मौके पर हुए कवि सम्मेलन में नीता अग्रवाल ने सरस्वती वंदना की। रूपसिंह राजपुरी, रंगलाल बिश्नोई, युवा राजस्थानी कवि हरीश हैरी, उमंग शर्मा, गज़लकार बनवारीलाल बन्नी व दौलतराम अनपढ़ ने अपनी प्रस्तुति दी।

श्रीगंगानगर। खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी के शुभारम्भ अवसर पर मंचासीन अतिथि।

बरसाती पानी का तालाबों में भंडारण करें ग्रामीण : यशपाल

करनाल, 15 जुलाई (पांडेय): खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक यशपाल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संचय के लिए पूरे देश के नागरिकों से अपील की है कि वे कल के लिए पानी को बचाएं और उसका सदुपयोग करें। ग्रामीण क्षेत्र में बरसाती व फालतू पानी का भंडारण तालाबों में किया जा सकता है। इसके लिए ग्रामीणों को अपने तालाबों को साफ-सुथरा रखना होगा। पानी को व्यर्थ न बहाएं।

वे सोमवार को गांव बड़ौता में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत वर्षा जल संचीकरण के तहत तालाब की सफाई व खुदाई के उपरांत ग्रामीणों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का युग तकनीकी का युग है, अब गांव का विकास शहरों से भी बेहतर हो रहा है। गांव में भी शहरों की तर्ज पर पार्क, मकान, गली-नालियां बनाई जा रही हैं। गांव में पानी के लिए सरकार द्वारा जोहड़ों को विकसित किया जा रहा है। इसी कड़ी में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग अंबाला द्वारा भी बड़ौता गांव के तालाब का सौंदर्यीकरण किया गया। इस तालाब को विकसित करने में शिवम ग्राम विकास संस्थान का भी अहम योगदान रहा। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि भविष्य में वह तालाब की सफाई रखें और इसके आस-पास गंदगी न फैलाएं। स्वच्छता को अपने जीवन में अपनाएं। इस मौके पर उनके व अन्य ग्रामीणों व अधिकारियों द्वारा तालाब के किनारे पौधे लगाकर पर्यावरण का संदेश दिया गया। इस मौके पर सहायक निदेशक एवं प्रभारी स्वच्छता अभियान रुखसाना जैन, सह निदेशक अरुण कुमार व अजय चौहान उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त टीम के सदस्य जगत सिंह, श्रीपाल सिंह, बलजीत सिंह, सरपंच पति महावीर, शिवम ग्राम विकास संस्थान के सचिव व अध्यक्ष रमेश चंद्र व रमेश कुमार उपस्थित रहे।

प्रेस कवरेज

जीवन से जुड़ी खबरें
सिटी लाइफ

खादी का है ये जलवा

खादी एवं ग्रामोद्योग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी

भास्कर संवाददाता | श्रीगंगानगर।

युवतियों का आकर्षक एवं रंग-बिरंगे परिधानों में कैट वाक और वह भी खादी के वस्त्रों में। यह सुनकर हैरानी होती है। लेकिन इसे सत्य कर दिखाया बीकानेर की फैशन डिजाइनर पूजा चौपड़ा और उनके दिशा निर्देश में कुछ युवतियों ने। मौका था एलबीएस खादी संस्थान रावतसर के तत्वावधान में खादी एवं ग्रामोद्योग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का। यहां कुम्हार धर्मशाला में लगी इस प्रदर्शनी में आम आदमी और आज के युवाओं का ध्यान आकर्षित करने तथा खादी के प्रति रुझान प्रकट करने के उद्देश्य से खादी प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बीकानेर की युवतियों ने गजब का कैट वाक किया। जब रैंप पर एक-एक करके खादी के परिधान में ये युवतियां आईं तो सभी ने सराहना की। कैट वाक में दिव्या पारीक, विजय लक्ष्मी, पूजा सिन्हा सहित सात-आठ लड़कियों ने भाग लिया।

प्रोत्साहन • राज्य खाद्य एवं ग्रामीण आयोग के निदेशक बद्रीलाल बोले

खादी और ग्रामोद्योग आयोग दूरदराज के गांवों में युवाओं को दे रहा रोजगार : मीणा

भास्कर संवाददाता | श्रीगंगानगर

राज्य खाद्य एवं ग्रामीण आयोग के निदेशक बद्रीलाल मीणा ने कहा है कि आयोग राज्य के दूरदराज एवं विकास से दूर के गांवों के युवाओं को रोजगार देने का अहम काम कर रहा है।

इसमें खासतौर से हथकरघा, खडिनों, बुनकरों, मोचियों, मीनाकारी आदि में लगे लोगों को न केवल मदद कर रहा है, बल्कि रोजगार सृजन में महती भूमिका निभा रहा है। मीणा यहां एलबीएस खादी संस्थान रावतसर के तत्वावधान में आयोजित खादी एवं ग्रामोद्योग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी के दौरान प्रेस को संबोधित कर रहे थे।

खादी को बढ़ावा देने के काम में लगी हैं 150 संस्थाएं

एक सवाल पर मीणा ने बताया कि राज्य के 35 जिलों में आयोग से संबद्ध 150 संस्थाएं खादी और ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने के काम में लगी है। खादी में जयपुर का बड़ा सहयोग है। राज्य में 1500 खडिनों एवं 5000 हथकरघा बुनकरों को ये संस्थाएं रोजगार मुहैया करवा रही हैं। सूती और हाथ से तैयार पॉली वस्त्र रेमंड को भेजे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि खादी का एक मीटर कपड़ा तैयार करने में 3 लीटर तथा फैक्ट्रियों में तैयार कपड़े में 54 लीटर पानी खर्च होता है। गत पांच वर्षों में खादी का उत्पादन 38 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने आम लोगों से आग्रह किया कि उन्हें साल में एक बार खादी वस्त्र अवश्य खरीदना चाहिए। राज्य में ऊन कताई का काम हाथ में लिया गया है। इसका महीन धागा अब खादी ग्रामोद्योग बोर्ड बनाकर देगा। 19 अगस्त को इसका उद्घाटन किया जाएगा। इससे राज्य में आठ दस हजार लोगों को रोजगार मिल सकेगा। इस मौके पर एलबीएस खादी संस्था रावतसर के सचिव भानसिंह राठौड़ सहित प्रदर्शन में आए संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रेस कवरेज

राज्य स्तरीय खादी व ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का रंगारंग आगाज

श्रीगंगानगर। कुम्हार धर्मशाला में एलबीएस खादी संस्थान रावतसर के तत्वावधान में सात दिवसीय राज्य स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन पीलीबंगा विधायक धर्मेंद्र मोची ने किया। अध्यक्षता खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड आयोग के संभागीय निदेशक बद्रीलाल मीणा ने की।

संस्था सचिव भानसिंह राठौड़ ने बताया कि खादी एवं ग्रामीण लघु एवं कुटीर उद्योगों के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें खादी व अन्य तरह के विभिन्न उत्पाद प्रदर्शन व बिक्री के लिए रखे गए। निदेशक बद्रीलाल मीणा ने कहा कि राज्य में विभिन्न तरह के ग्राम उद्योग के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं तथा बेरोजगारों को ऋण भी दिया जा रहा है। किसान,महिला तथा युवाओं को ध्यान में रखकर कम खर्च में अच्छी आमदनी के लिए जमीनी स्तर पर इन उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

विधायक ने पहनी खादी की जैकेट

विधायक धर्मेंद्र मोची ने कहा कि मुझे खादी से प्रेम है तो निदेशक बद्री लाल मीणा ने तुरंत खादी से बनी जैकेट विधायक महोदय को पहनाई। इस पर विधायक महोदय ने कहा कि अब मैं खादी को बढ़ावा दूंगा तथा हर जनप्रतिनिधि को अपील करूंगा कि वह खादी को अपनाएं। खादी हमारी परंपरा परंपरा रही है। हम सबको राष्ट्रहित के लिए खादी के उत्पाद अपनाने चाहिए। विधायक धर्मेंद्र मोची ने कहा कि निदेशक महोदय आपका काम बोलता है। खिलौनों के लिए हमारे इलाके की मिट्टी, लकड़ी के लिए शीशम तथा धागे, वस्त्र के लिए यहां का रेशा अच्छी गुणवत्ता वाला है। यहां संसाधनों की भी कोई कमी नहीं है। आपके प्रयास से हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन उद्योगों के लिए मैं विधानसभा में भी आवाज उठाऊंगा।

खादी के वस्त्र पहनकर किया युवतियों ने कैटवॉक

ऐसा पहली बार हुआ जब खादी के वस्त्रों के लिए युवतियों ने इस तरह की कैटवॉक की गई। बीकानेर की फैशन डिजाइनर पूजा चोपड़ा ने अपनी टीम के साथ इस नवाचार को अपनाया। कुम्हार धर्मशाला में लगी इस प्रदर्शनी में युवा वर्ग को खादी से जोड़ने के लिए युवतियों ने गजब का कैटवॉक किया। जब रैंप पर एक-एक करके खादी के परिधान में युवतियां आई तो सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट से सराहना की। कैटवॉक में मिस बीकानेर दिव्या पारीक, विजय लक्ष्मी, पूजा सिन्हा सहित 9 लड़कियों ने हिस्सा लिया।

कवियों ने किया हास्य रस से दर्शकों को सराबोर

कार्यक्रम की शुरुआत नीता अग्रवाल ने सरस्वती वंदना के साथ की। युवा राजस्थान कवि हरीश हैरी ने चुटिले अंदाज में अपनी हास्य प्रस्तुति दी। बीच बीच में जय हिंद के उद्घोष के साथ देशभक्ति की भी याद दिलाई। उमंग शर्मा ने शादी से जुड़ी हास्य रचना प्रस्तुत की। गज़लकार बनवारीलाल कली व दौलतराम अनपढ़ ने अपनी प्रस्तुति से कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। कवि रंगलाल बिश्नोई ने नशे जैसी सामाजिक बुराई पर कटाक्ष किया। मंच संचालन करते हुए कवि रूपसिंह राजपुरी ने राजनीति और नेताओं पर अपनी हास्य प्रस्तुति से दर्शकों को गुदगुदाया।

ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा दे रहा है खादी ग्रामोद्योग

» खादी और ग्रामोद्योग के मंडलीय निदेशक आए श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर।

खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग की ओर से ग्रामीण क्षेत्र में बुनकरों और अन्य लोगों को रोजगार मुहैया करवाया जा रहा है। इन लोगों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में आयोग ने महत्वपूर्ण योजनाएं बनाई हैं।

यह बात खादी एवं ग्रामोद्योग के मंडलीय निदेशक बद्रीलाल मीना ने सोमवार को यहां चहल चौक के पास कुम्हार धर्मशाला में चल रहे खादी मेले में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने बताया कि खादी को प्रोत्साहन देने के लिए पिछले पांच साल में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इसी कारण देश में खादी की बिक्री 38 प्रतिशत बढ़ी है। उन्होंने खादी एवं ग्रामोद्योग की ओर से चलाए जा रहे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इसके तहत युवाओं को नए रोजगार देने के लिए प्रशिक्षण एवं ऋण की सुविधा भी दी जा रही है। इसमें अनुदान का लाभ भी दिया जा रहा है। इससे पहले मीना ने पीएमईजीपी के तहत संबंधित बैंकों के साथ बैठक की। उन्होंने बैंकर्स से प्राप्त आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई का आग्रह किया।

राज्य स्तरीय खादी व ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का रंगारंग आगाज

स्वर्ण आभा न्यूज @ श्रीगंगानगर

कुम्हार धर्मशाला में एलबीएस खादी संस्थान रावतसर के तत्वावधान में सात दिवसीय राज्य स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन पीलीबंगा विधायक धर्मेंद्र मोची ने किया। अध्यक्षता खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड आयोग के संभागीय निदेशक बद्रीलाल मीणा ने की।

संस्था सचिव भानसिंह राठौड़ ने बताया कि खादी एवं ग्रामीण लघु एवं कुटीर उद्योगों के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें खादी व अन्य तरह के विभिन्न उत्पाद प्रदर्शन व बिक्री के लिए रखे गए। निदेशक बद्रीलाल मीणा ने कहा कि राज्य में विभिन्न तरह के ग्राम उद्योग के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं तथा बेरोजगारों को ऋण भी दिया जा रहा है। किसान,महिला तथा युवाओं को ध्यान में रखकर कम खर्च में अच्छी आमदनी के लिए जमीनी स्तर पर इन उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

विधायक ने पहनी खादी की जैकेट

विधायक धर्मेंद्र मोची ने कहा कि मुझे खादी से प्रेम है तो निदेशक बद्री लाल मीणा ने तुरंत खादी से बनी जैकेट विधायक महोदय को पहनाई। इस पर विधायक महोदय ने कहा कि अब मैं खादी को बढ़ावा दूंगा तथा हर जनप्रतिनिधि को अपील करूंगा कि वह खादी को अपनाएं। खादी हमारी परंपरा परंपरा रही है। हम सबको राष्ट्रहित के लिए खादी के उत्पाद अपनाने चाहिए। विधायक (शेष पृष्ठ 4 पर)

प्रेस कवरेज

बैंक लम्बित आवेदन निस्तारण कर जल्द मुहैया कराए ऋण

उद्योगपतियों व व्यापारियों को बताई कार्य योजना

श्रीगंगानगर

संभागीय कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग बीकानेर के द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत स्थापित इकाइयों के मार्जिन मनी लंबित आवेदन पत्रों के शीघ्र निस्तारण हेतु मंडलीय निर्देशक बद्रीलाल मीणा की अध्यक्षता में कुम्हार धर्मशाला श्रीगंगानगर में संबंधित सभी बैंकों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इसमें मीणा द्वारा बैंकों को निर्देशित किया गया जिसमें पीएमईजीपी के अंतर्गत ऋण हेतु आवेदन प्राप्त आवेदन पत्रों पर शीघ्र अभ्यर्थियों को ऋण प्रदान कर मार्जिन मनी क्लेम आयोग के पोर्टल पर अपलोड किया जावे ताकि भारत सरकार के निर्देशानुसार 100 दिन की कार्ययोजना के तहत लक्ष्यांकों की प्राप्ति की जा सके। इस पर सभी बैंकों ने निदेशक मीणा को आश्वस्त किया कि लंबित आवेदन पत्रों का निस्तारण अति शीघ्र किया जाएगा

बैंकर मीटिंग में जिला अग्रणी बैंक मैनेजर ओबीसी रोहित शर्मा व विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि और प्रबंधक खादी और ग्रामोद्योग बीकानेर प्रतिनिधि डीएन त्रिपाठी ने भाग लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन विनोद आसन ने किया।

अगले सत्र में बायर्स और सेल्स मीट का आयोजन किया गया जिसमें व्यापारियों और उद्योगपतियों को 100 दिन की कार्ययोजना बताई। इस अवसर एस. पी.बहल, क्रान्ति चुघ, नीरज राठौड़, ज्योति कांडा, अजय कुमार चड्ढा, प्रेम अग्रवाल, अजय नागपाल आदि व्यापारी व उद्योगपतियों के साथ खादी ओर ग्रामोद्योग आयोग बीकानेर के प्रतिनिधि डी. एन.त्रिपाठी ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की आयोजक संस्था लाल बहादुर शास्त्री शिक्षा समिति रावतसर के सचिव भानसिंह राठौड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बैंक लम्बित आवेदन निस्तारण कर जल्द मुहैया कराए ऋण

श्रीगंगानगर। संभागीय कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग बीकानेर के द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत स्थापित

उद्योगपतियों व व्यापारियों को बताई कार्य योजना

इकाइयों के मार्जिन मनी लंबित आवेदन पत्रों के शीघ्र निस्तारण हेतु मंडलीय निर्देशक बद्रीलाल मीणा की अध्यक्षता में कुम्हार धर्मशाला श्रीगंगानगर में संबंधित सभी बैंकों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इसमें मीणा द्वारा बैंकों को निर्देशित किया गया, जिसमें पीएमईजीपी के अंतर्गत ऋण हेतु आवेदन प्राप्त आवेदन पत्रों पर शीघ्र अभ्यर्थियों को ऋण प्रदान कर मार्जिन मनी क्लेम आयोग के पोर्टल पर अपलोड किया जावे ताकि भारत सरकार के निर्देशानुसार 100 दिन की कार्ययोजना के तहत लक्ष्यांकों की प्राप्ति की जा सकें। इस पर सभी बैंकों ने निदेशक मीणा को आश्वस्त किया कि लंबित आवेदन पत्रों का निस्तारण अति शीघ्र किया जाएगा बैंकर मीटिंग में जिला अग्रणी बैंक मैनेजर ओबीसी रोहित शर्मा व विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि और प्रबंधक खादी और ग्रामोद्योग बीकानेर प्रतिनिधि डीएन त्रिपाठी ने भाग लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन विनोद आसन ने किया।

अगले सत्र में बायर्स और सेल्स मीट का आयोजन किया गया जिसमें व्यापारियों और उद्योगपतियों को 100 (शेष पृष्ठ दो पर)

प्रेस कवरेज

खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ

श्रीगंगानगर। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत चहल चौक स्थित कुम्हार धर्मशाला में राज्यस्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। इस सात दिवसीय प्रदर्शनी के दौरान इस अवसर पर विभिन्न तरह के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। सचिव भानसिंह राठौड़ ने बताया कि महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर मंडलीय कार्यालय बीकानेर द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में राज्य की नामित संस्थाएं व यूनिट हिस्सा लेंगी। एलबीएस खादी संस्था रावतसर द्वारा आयोजित खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में खादी उद्योग से जुड़े हुए उत्पाद ग्राहक खरीद सकते हैं। उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि जिला प्रमुख प्रियंका श्योराण थे। विशिष्ट अतिथि सभापति अशोक चांडक तथा खादी ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक बद्रीलाल मीणा थे। खादी के परिधान में फैशन डिजाइनरों द्वारा फैशन शो का आयोजन भी किया। कार्यक्रम में पंजाबी गायक जगजीत सिंह जिदा ने अपनी प्रस्तुति दी। कवि सम्मेलन में हास्य कवि रूपसिंह राजपुरी रावतसर, रंगलाल बिश्नोई, नीता अग्रवाल, दौलतराम अनपढ़, राजस्थानी हास्य कवि हरीश हैरी, बनवारीलाल बत्री, उमंग शर्मा विविध रंगों से सजी काव्य रचनाएं प्रस्तुत की। खादी बोर्ड के राज्य निदेशक बद्रीलाल मीणा उपस्थित थे। उन्होंने उद्योगपतियों और व्यापारियों को विस्तार से जानकारी दी।

लम्बित आवेदनों का निस्तारण करें : मीणा

श्रीगंगानगर। डिविजन कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग बीकानेर द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत स्थापित इकाइयों के मार्जन मनी लम्बित आवेदन-पत्रों के शीघ्र निस्तारण हेतु मंडलीय निदेशक बद्रीलाल मीणा की अध्यक्षता में कुम्हार धर्मशाला में सम्बन्धित सभी बैंकों के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

श्री मीना द्वारा बैंकों को निर्देशित किया गया। जिसमें पीएमईजीपी के अन्तर्गत ऋण हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों पर शीघ्र अभ्यर्थियों को ऋण प्रदान कर मार्जन मनी क्लेम आयोग के पोर्टल पर अपलोड किया जावे ताकि भारत सरकार के निर्देशानुसार 100 दिन की कार्य योजना के तहत लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। जिस पर सभी बैंकों ने निदेशक श्री मीना को आश्वास्त किया कि लम्बित आवेदन पत्रों का निस्तारण अति शीघ्र किया जाएगा। उक्त बैंकर्स मीटिंग में जिला अग्रणी बैंक मैनेजर ओबीसी रोहित शर्मा व विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि व प्रबंधक खादी और ग्रामोद्योग आयोग बीकानेर के प्रतिनिधि डीएन त्रिपाठी ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम की आयोजक संस्था लाल बहादुर शास्त्री शिक्षा समिति रावतसर के सचिव भानसिंह राठौड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन विनोद आसन ने किया। समारोह में स्थानीय उद्योगपतियों को आमंत्रित किया, जिसमें ज्योति कांडा, क्रांति चुघ तथा गैस एजेंसी संचालक ने भी भाग लिया। स्थानीय खादी मेला 3 तक चलेगा।

इनकम टैक्स रिटर्न फाइल 31 तक

श्रीगंगानगर। सरकार ने आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि एक महीने बढ़ाकर 31 अगस्त कर दी है। इस फैसले से लोगों को काफी राहत मिली है क्योंकि इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने में कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। कई संस्थाओं ने इस बात की अपील की थी कि आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख बढ़ा दी जाए। इस साल सीबीडीटी ने टीडीएस रिटर्न फाइल करने की अंतिम तारीख 31 मई से बढ़ाकर 30 जून कर दी थी और इसके बाद फॉर्म 16 जारी करने की तारीख भी 15 जून से बढ़कर 31 जुलाई हो गई। कई लोग आईटीआर भरने के लिए अपने फॉर्म 16 का इंतजार कर रहे थे। अगर पहले निर्धारित आखिरी तारीख यानी 31 जुलाई तक कोई अपना आईटीआर न फाइल कर पाता तो दिसंबर तक फाइल करने पर उसे 5,000 रुपये की फीस भरनी पड़ती। अगर 1 जनवरी से 31 मार्च के बीच इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किया जाता तो 10 हजार रुपये की फीस चुकानी पड़ती। वित्त वर्ष 2018-19 के बाद ग्रैंडफादरिंग क्लॉज के चलते लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स और इक्विटी म्यूचुअल फंड की गणना का तरीका भी काफी कठिन हो गया था। (सुनीला सिडाना)

राज्य स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का रंगारंग शुभारंभ 28 जुलाई को

कवि सम्मेलन में छूटेगी हास्य की फुलझड़ियां और फैशन शो का होगा आयोजन

श्रीगंगानगर

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ 28 जुलाई शाम को 5 बजे चहल चौक स्थित कुम्हार धर्मशाला श्रीगंगानगर में किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न तरह के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

सचिव भानसिंह राठौड़ ने बताया कि महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर भारत सरकार की मंडलीय कार्यालय बीकानेर द्वारा आयोजित सात दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में राज्य की नामित संस्थाएं व यूनिट हिस्सा लेंगी। एलबीएस खादी संस्था रावतसर द्वारा आयोजित खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में खादी उद्योग से जुड़े हुए उत्पाद ग्राहक खरीद सकते हैं। इस भव्य उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि जिला प्रमुख प्रियंका श्योराण, विशिष्ट अतिथि सभापति अशोक चांडक, बद्रीलाल मीणा राज्य निदेशक खादी ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार के कर कमलों द्वारा होगा। इस अवसर पर खादी के परिधान में फैशन डिजाइनरों द्वारा फैशन शो का आयोजन भी होगा। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया जाएगा। कवि सम्मेलन में हास्य कवि रूपसिंह राजपुरी रावतसर, रंगलाल बिश्नोई, नीता अग्रवाल, दौलतराम अनपढ़, राजस्थानी हास्य कवि हरीश हैरी, बनवारीलाल बत्री, उमंग शर्मा विविध रंगों से सजी कविताएं प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा पंजाबी गायक जगजीत सिंह जिदा भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

प्रेस कवरेज

के.वी.आई.सी. ने राज्य स्तरीय कार्यशाला लगाई

घाटी में बेरोजगारी दूर करने के लिए पी.एम.ई.जी.पी. की अहम भूमिका : डा. हिना

श्रीनगर, 18 जुलाई (मजीद): खादी और ग्रामोद्योग आयोग (के.वी.आई.सी.) द्वारा गुरुवार को श्रीनगर के एस.के.आई.सी.सी. में फ्लैगशिप प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पी.एम.ई.जी.पी.) पर राज्य स्तरीय कार्यशाला लगाई गई। इसका आयोजन आम जनता के बीच के.वी.आई.सी. की योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करती डा. हिना। (समीर)

इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर बैंक के उपाध्यक्ष फयाज अहमद भट्ट, के.वी.आई.बी. के सचिव राशिद अहमद कादरी भी मौजूद थे। जम्मू-कश्मीर खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड (के.वी.आई.बी.) की उपाध्यक्षा डॉ. हिना भट्ट ने कहा कि आतंकवादग्रस्त कश्मीर में बेरोजगारी को दूर करने में पी.एम.ई.जी.पी. एक अहम भूमिका निभा रहा है।

डा. हिना ने कहा कि ऐसे जागरूकता शिविर युवाओं की स्वरोजगार उपक्रमों के माध्यम से आय अर्जित करने में मदद करते हैं, जिन्हें विभिन्न योजनाओं के तहत स्थापित किया जा सकता है। के.वी.आई.सी. के राज्य निदेशक डी.एस. भाटी ने कहा कि पूरे देश खासतौर से जम्मू-कश्मीर में बेरोजगार युवाओं के लिए पी.एम.ई.जी.पी. एक अचूक मंत्र है। पी.एम.ई.जी.पी. भारत सरकार का फ्लैगशिप कार्यक्रम है, जिसे सफल बनाने के लिए सबको एक साथ काम करने की आवश्यकता है।

भाटी ने कहा कि के.वी.आई.सी. के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना जम्मू-कश्मीर के युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए विशेष ध्यान दे रहे हैं। कार्यशाला के आरंभ में के.वी.आई.सी. के सहायक निदेशक अनिल कुमार शर्मा, जो जम्मू-कश्मीर में पी.एम.ई.जी.पी. के नोडल ऑफिसर भी हैं, ने पी.एम.ई.जी.पी. पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी।

राज्य स्तरीय खादी ...

धर्मेंद्र मोची ने कहा कि निदेशक महोदय आपका काम बोलता है। खिलौनों के लिए हमारे इलाके की मिट्टी, लकड़ी के लिए शीशम तथा धागे, वस्त्र के लिए यहां का रेशा अच्छी गुणवत्ता वाला है। यहां संसाधनों की भी कोई कमी नहीं है। आपके प्रयास से हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन उद्योगों के लिए मैं विधानसभा में भी आवाज उठाऊंगा।

पर्यावरणानुकुल मनमोहक खादी डिजाइनर परिधान

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

Khadi India

खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय,भारत सरकार
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056.
वेबसाईट : www.kvic.org.in

“भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृध्दि बुनतें हैं”